FR News Rajasthan
frnewsofficial
FR News/@fridayreporter jaipur

RJHIN/25/A3647

फ्राइडे संवाद

DHP FOUNDATION
Working for community welfare in Fatehpur Shekhawati, Rajasthan

वर्ष 1 | अंक 11 | हिंदी साप्ताहिक | कुल पेज 8 | जयपुर, राजस्थान | शुक्रवार, 30 जनवरी, 2026 | अच्छी सोच बेहतर खबर | मूल्य : ₹10 रुपए

एक हादसा, कई जिंदगियां प्रभावित: फैजान की मौत से पसरा मातम

फ्राइडे संवाद | मोहम्मद फारूक पहाड़ियान »

"इस्लाम मोमिनों को एक जिस्म की तरह जोड़ता है, जहाँ एक की तकलीफ़ सबकी तकलीफ़ बन जाती है।" इस लेख की शुरुआत इस हदीस से करने की वजह आपको अंत तक पढ़ने पर समझ में आ जाएगी। पिछले गुरुवार को जयपुर में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया। इस हादसे में 27 वर्षीय फैजान की महज तीन सेकंड में मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। वैसे तो हर शहर में रोज़ हादसे होते हैं, लेकिन कुछ घटनाएं दिल और दिमाग पर गहरी छाप छोड़ जाती हैं—यह हादसा भी उन्हीं में से एक था। जयंती मार्केट चौराहे पर हादसे का

शिकार हुआ फैजान फूड डिलीवरी का काम करता था। शनिवार दोपहर वह डिलीवरी के लिए निकला था। दोपहर करीब 12:29 बजे बेकाबू किराए की थार ने उसे चपेट में ले लिया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। थार ने न सिर्फ फैजान की जान ली, बल्कि परिवार का इकलौता सहारा भी छीन लिया।

परिवार में इकलौता कमाने वाला था फैजान

फैजान अपने माता-पिता और चार बहनों की जिम्मेदारी निभाने के लिए फूड डिलीवरी का काम करता था। प्रत्यक्षदर्शी नंदलाल शर्मा, हनुमानलाल जांगिड़ और राम चौधरी के अनुसार, तेज़ रफ्तार थार ने पहले पैदल जा रही 19 वर्षीय छात्रा कुलसुम को टक्कर मारी, इसके बाद बाइक सवार फैजान को कुचल दिया। हादसे के बाद फैजान थार के नीचे फंस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

वालिदा बोलीं—"अब किसके भरोसे जिऊंगी"

बेटे फैजान की मौत की खबर सुनते ही उसकी मां खैरूनिशा बदहवास हो गईं। वह बार-बार यही कहती रहीं— "अब मैं किसके भरोसे जिऊंगी... वो मुझे छोड़ गया। पांच बेटियों के बाद फैजान हुआ था। कितनी मुश्किलों से पाला था। उस थार वाले ने मेरे बेटे को मार डाला।" पिता अब्दुल कादिर (62) ने बताया कि एक साल पहले बेटी रुबीना की भी मौत हो चुकी है। अब घर चलाने वाला इकलौता बेटा भी चला गया। परिवार मूल रूप से सीकर जिले के खंडेला का रहने वाला है और पिछले 30 वर्षों से भट्टा बस्ती में किराए के मकान में रह रहा है।

एफआर न्यूज़ की ओर से मानवीय पहल

बेबस परिवार की हालत को देखते हुए एफआर न्यूज़ राजस्थान की ओर से आर्थिक सहायता पहुंचाने की पहल शुरू की गई है। इस मुहिम का नेतृत्व रिपोर्टर अकील अहमद कर रहे हैं। फतेहपुर-शेखावाटी के कुछ नेकदिल लोगों के साथ-साथ सत्यमेव जयते टीम, छोटा गोड़िया ने भी सहयोग राशि भेंट कर इस मुहिम से जुड़ने का ऐलान किया है। इसके अलावा तारीख-ए-जहांगीरी रूहानी सेंटर इंडिया के निर्देशक मोहम्मद सलीम अशरफी ने भी मरहूम फैजान के परिवार के दर्द को अपना दर्द समझते हुए आर्थिक सहायता देने की बात कही है। यह सहायता मुहिम 31 जनवरी रात 8 बजे तक जारी रहेगी। जो लोग इस मुहिम से जुड़ना चाहते हैं, वे +91 82875 28180 (अकील अहमद) पर संपर्क कर सकते हैं। सम्मानजनक राशि एकत्र होने के बाद जल्द ही परिवार तक मदद पहुंचाई जाएगी, जिसकी जानकारी एफआर न्यूज़ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की जाएगी। गौरतलब है कि एफआर न्यूज़ राजस्थान ग्रुप पहले भी जरूरतमंद परिवारों, मरीजों के इलाज, राशन वितरण और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार योगदान देता रहा है।

सीख; इस लेख की शुरुआत जिस हदीस से की गई थी, आज उसी के मायने समझने की जरूरत है। जब किसी एक मोमिन पर दुख आता है, तो पूरे समाज की जिम्मेदारी बनती है कि वह उसके साथ खड़ा हो। ऐसे मुश्किल वक्त में पीड़ित परिवारों की मदद के लिए आगे आना ही इंसानियत और इस्लामी भाईचारे की सच्ची मिसाल है।

यूजीसी के विवादित नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली | यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) द्वारा जारी किए गए नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तत्काल रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस 2026' को अस्पष्ट और दुरुपयोग की आशंका वाला बताते हुए स्थगित कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इन नियमों में स्पष्टता की आवश्यकता है और जब तक नए नियम स्पष्ट नहीं हो जाते, 2012 के पुराने यूजीसी नियम लागू रहेंगे। अदालत ने केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी कर 19 मार्च तक जवाब देने का निर्देश दिया है।

विवाद की पृष्ठभूमि

यूजीसी के इन नए नियमों को लेकर पिछले कुछ दिनों से देशभर में विवाद चल रहा था। सामान्य वर्ग के छात्रों

ने इन नियमों का जोरदार विरोध किया था। राहुल देवन और अन्य बनाम केंद्र सरकार मामले में दायर याचिका में कहा गया था कि ये नियम जनरल कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव पैदा कर सकते हैं। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई थी और सीजेआई सूर्यकांत ने मामले को गुरुवार की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था।

कोर्ट का फैसला

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि नए प्रावधान पहली नज़र में ही अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका गलत इस्तेमाल होने की संभावना है। चीफ जस्टिस ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह इन नियमों को फिर से स्पष्ट और संतुलित तरीके से तैयार करे। इस फैसले से उच्च शिक्षण संस्थानों में नए नियमों के कार्यान्वयन पर विराम लग गया है और विश्वविद्यालयों को पुराने नियमों का ही पालन करना होगा।

एनसीसी कैडेट्स 20 लाख पार, लड़कियों की संख्या भी बढ़ीः मोदी

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को दिल्ली कैंटोनमेंट

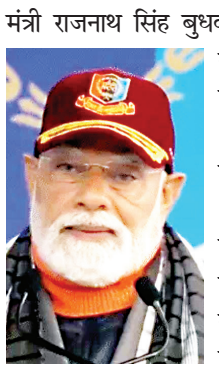

के कैरियप्पा परेड ग्राउंड में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) पीएम रैली में शामिल हुए। रैली की थीम 'राष्ट्र प्रथमकर्तव्य निष्ठ युवा' रही। पीएम ने एनसीसी में लड़कियों की संख्या बढ़ने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस बार भी बड़ी संख्या में लड़कियों ने शिविर में हिस्सा लिया। मैं खासतौर पर उन्हें बधाई देता हूं। पीएम ने कहा कि कुछ सालों में एनसीसी कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई। खासकर बॉर्डर-तटीय इलाकों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पीएम ने कार्यक्रम में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर दुख जताया। दरअसल, एनसीसी पीएम रैली महीने भर चले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 के समापन का प्रतीक है, जिसमें देशभर से 2,406 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इनमें 898 बालिका कैडेट्स शामिल रहीं। इसके अलावा भूटान, श्रीलंका, ब्राजील, नेपाल और मलेशिया समेत 20 से अधिक मित्र देशों से 200 से ज्यादा कैडेट्स और अधिकारियों ने शिविर में हिस्सा लिया।

स्पाइन फिजियोथैरेपी से स्लिप डिस्क व साइटिका में मिल रहा प्रभावी उपचार

जयपुर » आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, गलत बैठने की आदत और लंबे समय तक मोबाइल व कंप्यूटर के उपयोग के कारण स्पाइन से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। स्लिप डिस्क और साइटिका जैसी बीमारियां अब युवाओं में भी आम होती जा रही हैं। ऐसे में झोटवाड़ा स्थित न्यूरो स्पाइन सॉल्यूशन में आधुनिक स्पाइन फिजियोथैरेपी के माध्यम से मरीजों को राहत मिल रही है। संस्थान के विशेषज्ञ व अनुभवी फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. हारून मंसूरी के अनुसार स्लिप डिस्क और साइटिका के अधिकतर मामलों में सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती। सही समय पर की गई स्पाइन फिजियोथैरेपी, एक्सरसाइज और लाइफस्टाइल में सुधार से मरीज सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि साइटिका में कमर से लेकर पैर तक तेज दर्द, झनझनाहट और सुन्नता जैसी समस्याएं होती हैं, जिनका उपचार व्यक्तिगत जांच के बाद किया जाता है। न्यूरो स्पाइन सॉल्यूशन में आधुनिक मशीनों, मैनुअल थेरेपी और विशेष एक्सरसाइज प्रोग्राम के जरिए उपचार किया जाता है। प्रत्येक मरीज के दर्द और समस्या के अनुसार व्यक्तिगत थेरेपी प्लान तैयार किया जाता है। साथ ही मरीजों को सही बैठने, उठने और चलने की तकनीक भी सिखाई जाती है, जिससे भविष्य में समस्या दोबारा न हो। डॉ. हारून मंसूरी ने बताया कि समय रहते उपचार और जागरूकता से स्पाइन से जुड़ी गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

बाइक टैक्सी का इंतजार कर रही छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर में एक छात्रा के साथ बाइक टैक्सी चालक द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के अनुसार, छात्रा बाइक टैक्सी का इंतजार कर रही थी, तभी पास आए एक युवक ने खुद को रैपिडो चालक बताकर उसे बाइक पर बैठा लिया। जब छात्रा ने रास्ते पर सवाल उठाए, तो आरोपी ने उसे धमकी दी और शॉर्टकट रास्ते की बात कहकर उसे निर्जन इलाके में ले गया, जहां उसने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और घटना की पूरी जांच जारी है। "छात्राओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। अजनबियों से सतर्क रहें, सुरक्षित परिवहन का प्रयोग करें। समाज और पुलिस मिलकर ऐसे अपराधों को रोकें और हर महिला सुरक्षित महसूस करे।"

वासिद खान
99290 67786
FAST INDIA CARGO
फ़ास्ट डिलीवरी सुरक्षा की गारंटी
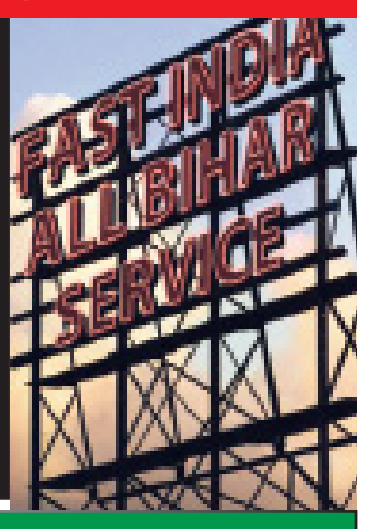

पता:- उद्योग नगर, झोटवाड़ा, जयपुर 302012
ईमेल:- wasidkhan362401@gmail.com

GOLU KABAB GRILL
Legendary Taste | Street to Grill
Kabobs | Tikkas | Shawarma
+91-8209264924
+91-8561830225
70 LAXMI NAGAR KALWAR ROAD, JHOTWARA, JAIPUR

JAIPUR FITNESS GYM
(Unisex Gym)
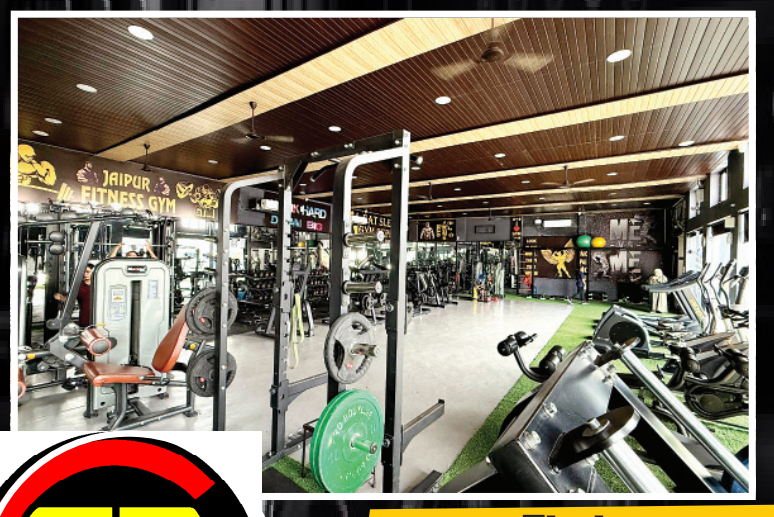
Timing
6 AM to 10 PM
Asif 9694096784, 8889999076
Add.: Plot No. 39, 40A, Arham House, Eidgah Colony Delhi Bypass Road, Jaipur-302002

FE
FOZDAR
ENTERPRISES
THE COMPLETE FASHION HUB
FOZDAR ENTERPRISES
FAIZAN FOZDAR
97823 78692
SHOP NO. 1 READYMADE RETAIL MARKET, SIKAR HOUSE, JAIPUR [RAJ]

ADEEB HEALTH CARE
Dr. Asst. Sayeed Mansoori
DNYS, CCCH, CMS& ED(MCHW)
Mob: 9694017293
DR. TANVEER (MD. PHYSICIAN DIABETOLOGIST)
[ON CALL]
DR. SUHANI PHYSICAL THERAPIST (BPT)
Address: H.N.3665, Mohalla Naddafan Babu Ka Tiba, Ramganj Bazar, Jaipur

जॉब; आपके कैरियर से जुड़ी इस हफ्ते की वैकेंसी

▪ राजस्थान कर्मचारी बोर्ड

पोस्टः जूनियर असिस्टेंट, अन्य 10644 वेतनमान लेवल-5 कुलपद के अनुसार
आवेदनः 13 फरवरी तक
फीसः 600 रुपए
पात्रः सीईटी, 12वीं कंप्यूटरकोर्स
आयुः 18 से 40 साल
rssb.rajasthan.gov.in

▪ राजस्थान कर्मचारी बोर्ड

पोस्टः फॉरेस्टर
259 कुलपद
वेतनमान लेवल 8 के अनुसार
आवेदनः 4 फरवरी तक
फीसः 600 रुपए
पात्रः 12वीं पास
आयुः 18 से 40 साल
www.sso.rajasthan.gov.in

इंडियन आर्मी

पोस्टः SSC टेक
350 कुलपद
वेतनमान 56100-250000रु.
आवेदनः 5 फरवरी तक
पात्रः इंजीनियरिंग ग्रेजुएट
आयुः 20 से 27 साल
joinindianarmy.nic.in

JKSSB

पोस्टः कॉन्स्टेबल
1815 वेतनमान कुलपद 19900-63200 रु.
आवेदनः 17 फरवरी तक
फीसः 700 रुपए
पात्रः 12वीं पास
आयुः 18 से 28 साल
www.jkssb.nic.in

रेलवे भर्ती बोर्ड

पोस्टः हिंदी ट्रांसलेटरव अन्य 311 कुलपद
वेतनमान 19900-44900रु.
आवेदनः 29 जनवरी तक
फीसः 500 रुपए
पात्रः हिंदी/अंग्रेजीपीजी, लॉडिग्री
आयुः 18 से 40 साल
www.rrbapply.gov.in

UPSSSC

पोस्टः लेखपाल
7994 वेतनमान कुलपद 21700-69100 रु.
आवेदनः 28 जनवरी तक
फीसः 25 रुपए
पात्रः 12वीं, UP PET
आयुः 18 से 40 साल
www.upsssc.gov.in

तेलंगाना हाईकोर्ट

पोस्टः जूनि. असिस्टेंट व अन्य 859 कुलपद
वेतनमान 19000-72580 रु.
आवेदनः 13 फरवरी तक
फीसः 600 रुपए
पात्रः यूजी व अन्य
आयुः 18 से 46 साल
www.tshc.gov.in

MPPSC

पोस्टः असिस्टेंट प्रोफेसर
949 कुलपद
वेतनमान 57700 रुपए
आवेदनः 26 मार्च तक
फीसः 500 रुपए
पात्रः पीजी, नेट पास
आयुः 21 से 40 साल
www.mppsc.mp.gov.in

बिहार पुलिस सेवा

पोस्टः हवलदार क्लर्क
64 कुलपद
वेतनमान 25500-81100 रु.
आवेदनः 2 फरवरी तक
फीसः 100 रुपए
पात्रः 12वीं पास
आयुः 18 से 40 साल
www.bpssc.bihar.gov.in

शिक्षा में एआई क्रांतिः आईआईटी मद्रास ने शुरू किए हिंदी में ऑनलाइन कोर्स, विदेशों में एसएटी परीक्षा अनिवार्य

नई दिल्ली » भारतीय शिक्षा जगत में दो महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए हैं। एक ओर जहां आईआईटी मद्रास ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिक्षा को हिंदी भाषा में उपलब्ध कराने की पहल की है, वहीं दूसरी ओर विदेशों में पढ़ाई के इच्छुक भारतीय छात्रों के लिए एसएटी परीक्षा अब जेमिनी एआई से फ्री में प्रैक्टिस की सुविधा के साथ और भी सुलभ हो गई है।

आईआईटी मद्रास की हिंदी में एआई शिक्षा पहल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कोर्स अब हर किसी की पहुंच में हैं। लेकिन अब एआई लर्निंग को हिंदी भाषा तक पहुंचाने के लिए आईआईटी मद्रास और स्वयं प्लस ने कुछ खास कोर्स किए गए हैं। देश को 44% हिंदी भाषी हैं लेकिन एआई के क्षेत्र में उनकी भागीदारी सीमित रही है। इसे बदलने के लिए आईआईटी मद्रास और शिक्षा मंत्रालय ने 'स्वयं प्लस' पोर्टल पर ऑनलाइन कोर्स शुरू किए हैं।

स्वयं पोर्टल पर हिंदी में एआई कोर्सः एआई इन एग्रीकल्चर मई से शुरू होगा। स्वयं पोर्टल पर एआई इन एग्रीकल्चर कोर्स मई से शुरू होगा। इसके अलावा मशीन लर्निंग, स्टूडेंट्स के स्ट्रक्चर इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकेंगे हैं और 3 जुलाई से डेटा के उपयोग, एआई के माध्यम से समस्याओं को दूर करना सहित अन्य टॉपिक्स कवर किए गए हैं।

डेटा साइंटिफिक एआई कोर्स, फ्री सर्टिफिकेट दिया जाएगा छात्रों कोः स्वयं पोर्टल पर डेटा साइंटिफिक एआई कोर्स भी करने सहित अन्य टॉपिक्स कवर किए जाते हैं। यह उपलब्धता किया हिंदी में जाता है। मैसर्स और सर्टिफिकेट मिलेगी हिंदी भाषा में उपलब्ध है। कोर्स पूरा करने के बाद असेसमेंट होता है। यह असेसमेंट पास करने के बाद उम्मीदवारों को डिजिटल सर्टिफिकेट दिया जाता है। छात्र swayam-plus.wayam2.ac.in वेबसाइट पर 26 जनवरी 2026 से रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे।

विदेशों में पढ़ाई के लिए अनिवार्य एसएटी : स्कॉलास्टिक एप्टीट्यूड टेस्ट (एसएटी) की तैयारी अब रहे स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। इस परीक्षा को पास करने के लिए गूगल ने मिशन स्टडी के साथ मिलकर टेस्ट तैयार किया है। जिसका छात्र किसी भी जगह से ऑनलाइन मोड में दे सकेंगे हैं। गूगल ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल अकाउंट पर बताया है कि Gemini App में SAT के लिए फुल-लेंथ, ऑन-डिमांड अभ्यास परीक्षा शुरू की गई है।

एसएटी की तैयारीः चार मॉड्यूल आएंगे पेपर में, सीट की परीक्षा में रीडिंग एंड राइटिंग का पेपर कुल 64 मिनट का होता है। इसमें 2 मॉड्यूल होते हैं। मॉड्यूल में प्रत्येक में 27 प्रश्न पूछे जाते हैं। मैथमेटिक्स चॉइस आधारित कुल 54 सवाल पूछे जाते हैं। इसमें मॉडर्न नेगेटिवमार्क्स को पूरे 70 मिनट का समय मिलता है। मॉड्यूल 1 में 35-35 मिनट का समय मिलेगा। दोनों ही पेपर में कुल 44 सवाल पूछे जाते हैं। दोनों ही पेपर में पास होना अनिवार्य होता है।

साल 2026 में परीक्षा का शेड्यूलः भारत का यूएस स्टूडेंट वीजा 2025 में आयोजित किया जाएगा। इसके रजिस्ट्रेशन जुलाई से शुरू हो जाएंगे। अगस्त मार्च बाहर पहली ही रजिस्ट्रेशन शुरू होते हैं। सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, मार्च और दिसंबर में परीक्षा प्रस्तावित है। भारत में यह परीक्षा दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों में आयोजित की जाती है। यह दोनों पहल भारतीय शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी क्रांति और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने वाली साबित होंगी।

साप्ताहिक करंट अफेयर्स; एक कदम आपके बच्चों के बेहतर कल की ओर

Minority Brilliant Students Scholarship

जयपुर | फ्राइडे संवाद ने बच्चों के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है। इसमें हर सप्ताह साप्ताहिक करंट अफेयर्स से संबंधित सवाल पूछे जाएंगे। इस पहल के तहत हर 6 महीने में चुने गए विद्यार्थियों को Minority Brilliant Students Scholarship **दी जाएगी।**

▪ भारत और यूरोपीय संघ ने की 'मदर ऑफ ऑल डील्स'

▪ पद्म पुरस्कार 2026 की सूची जारी कर दी गई है। इस वर्ष 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री प्रदान किए जाएंगे। पद्म पुरस्कार भारत के उच्चतम नागरिक सम्मानों में शामिल हैं, इनकी शुरुआत 1954 में हुई थी। अब तक 5457 हस्तियों को सम्मान हो चुका है।

▪ गणतंत्र दिवस परेड में सीआरपीएफ की असिस्टेंट कमांडेंट सिमरन बाला 147 पुरुष जवानों के दस्ते का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं। सीआरपीएफ के इतिहास में यह पहली बार है। 2019 में लेफ्टिनेंट भावना कस्तूरी ने ऑल-मेन आर्मी सर्विस कॉप्स के दस्ते को लीड किया था। वहीं, 2020 में कैप्टन तानिया शेरगिल आर्मी डे पर ऑल-मेलदस्ता लीड करने वाली पहली महिला परेड एडजुटेंट थीं।

▪ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने थलसेना, नौसेना और वायुसेना के 70 सैन्य कर्मियों को वीरता और विशिष्ट सेवा पुरस्कार दिए। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अशोक चक्र से सम्मानित हुए। वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय हैं।

▪ भारत ने गुलफूड में पहली बार पार्टनर कंट्री के रूप में भाग लिया। यह दुनिया का सबसे बड़ा फूड और बेवरेज ट्रेड इवेंट है, जो 31 वर्षों से हो रहा है। पहली बार दुबई के दो स्थान पर हुआ। भारत के 25 राज्यों के 161 एग्जिबिटर्स ने हिस्सा लिया।

▪ भारत-यूरोपीय संघ की बड़ी व्यापार डील को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। इसमें भारत ईयू से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क घटाएगा। यूरोपीय कारों पर टैक्स 110 से 10%, वाइन पर 150% से 20% कियाजाएगा।

▪ पंजाब ने आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या और डॉग बाइट के मामलों को नियंत्रित करने के लिए लुधियाना में राज्य का पहला डॉग सैंक्चुरी शुरू किया। यह पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू है, जिसे भविष्य में पूरे राज्य में लागू करेंगे।

▪ नंबियो सेफ्टी इंडेक्स के अनुसार किंगदाओ (चीन) दुनिया का सबसे सुरक्षित शहर बना, जबकि मंगलुरु (कर्नाटक) देश का सबसे सुरक्षित शहर रहा। इंडेक्स से शहरों में अपराध और सुरक्षा का आकलन होता है।

▪ ऑपरेशन सिंदूर में आई निगरानी खामियों को देखते हुए भारत 50 जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करेगी। इनमें सिंथेटिक अपर्चर रडार होंगे, जो रात और हर मौसम में निगरानी करेंगे। इसरो व 3 निजी भारतीय कंपनी इसे लॉन्च करेगी।

▪ आंध्रा सरकार होप आइलैंड पर एक नया स्पेसपोर्ट बनाएगी। यह स्पेसपोर्ट निजी और व्यावसायिक लॉन्च मिशनों के लिए विकसित किया जाएगा। इसे छोटे और मध्यम क्षमता वाले लॉन्च वाहनों के लिए तैयार किया जाएगा।

▪ असम सम ने शोथ और उच् उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए अटल विचल अग्रगामी असम' योजना शुरू की। इसमें शोधार्थियों को 25,000 रु. और दिव्यांग शोधार्थियों को 40,000 रु. प्रति माह मिलेंगे। यह योजना 11 फरवरी से लागू होगी।

▪ चीन की जनसंख्या 2025 में लगातार चौथे साल घट गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीनकी आबादी करीब 30 लाखकम हुई। इस दौरान जन्म दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई और सिर्फ 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ।

▪ नासा वर्ष 2026 में आर्टेमिस 2 मिशन लॉन्च करने की तैयारी में है। यह 1972 के बाद पहला मानव मिशन होगा, जो चांद की परिक्रमा करेगा। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल होंगे, जिनमें एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री भी है।

राजस्थान

तेज़ रफ़्तार थार की टक्कर से युवक की मौत, कागजी ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

फ्राइडे संवाद | जयपुर » जयंती बाज़ार क्षेत्र में तेज़ रफ़्तार थार गाड़ी की टक्कर से भट्टा बस्ती निवासी फैजान की मृत्यु के मामले को लेकर किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने गंभीरता दिखाई है। विधायक कागजी ने जालूपुरा थानाधिकारी को प्रकरण में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। घटना से आहत परिजनों से मुलाक़ात कर उन्होंने उन्हें ढाढ़स बंधाया और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। पोस्टमार्टम प्रक्रिया के लिए संबंधित चिकित्सकीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही जिला प्रशासन से समन्वय कर मृतक के परिजनों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

लोहार समाज की बेटी हुस्ना बानो ने रचा इतिहास

फ्राइडे संवाद | जयपुर » झोटवाड़ा निवासी डॉ. मुस्तफा लोहार की पुत्री हुस्ना बानो ने समाज के लिए गौरव का क्षण रचते हुए

राजस्थान यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, जयपुर में प्रवेश लिया है। लोहार समाज से आने वाली हुस्ना ने अपनी मेहनत, लगन और हौसले से यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता ने न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज का मान बढ़ाया है। हुस्ना की उपलब्धि बेटियों की शक्ति और क्षमता को दर्शाती है। उनकी सफलता से प्रेरणा लेकर अन्य बालिकाएं भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने को प्रोत्साहित होंगी।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनाः युवा उद्यमियों को 10 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण

फ्राइडे संवाद | जयपुर » राजस्थान सरकार ने राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत अब युवा उद्यमियों को 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण मिल सकेगा। प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना कई आकर्षक लाभों के साथ आई है। योजना में 10 लाख रुपये तक का बिना ब्याज का ऋण दिया जाएगा, जो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस योजना के अंतर्गत युवा उद्यमियों को विशेष सुविधाएं मिलेंगी। वे अपने व्यवसाय को स्थापित करने के लिए 10 दिन बाद ही आवेदन कर सकेंगे, जबकि पहले इसके लिए 15 दिन का इंतजार करना पड़ता था। इसके अलावा, योजना के लिए

लाभ युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने में सहायता प्रदान करेगी।

पात्रता और दस्तावेज

योजना में 12 जनवरी को इस योजना का शुभारंभ किया गया। उद्यम एवं स्टार्टअप विभाग के शासन सचिव अजितबीर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना एससी/एसटी के 10 दिन बाद ही आवेदन शुरू हो जाएंगे। युवाओं को इस योजना के लिए आवेदन करने के लिए लाभ युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने हेतु विभिन्न सुविधाएं दी जाएंगी। राजस्थान के मूल निवासी, आयु 18-45 वर्ष एवंग्रुप, सामाजिक, भागीदारी एवं अन्य निबंधित प्रतिष्ठानों के उद्यमी नियमानुसार पंजीकृत होना आवश्यक है। केंद्र या प्रदेश के डिप्लोमेट आवेदक नहीं कर सकेंगे, द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं से मान्यताप्राप्त उच्चतम, ट्रेंट-एनजीओं से व्यावसायिक प्रतियोगिता के लिए आवेदन नहीं किया जा सकेगा।

योजना के तहत देय लाभ

गलत सूचना तो 18% दंडनीय ब्याज सहित तोड़नी होगी राशि, दस्तावेज व पात्रता के अनुसार लाभ दिया जाएगा। आधार कार्ड, मूल शैली से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को सेवा निकास प्रमाण पत्र, एवं व्यापार के लिए 3.5 लाख रुपए तक एवं आवेदक-निर्माण और तक का ब्याज मुक्त ऋण अधिकतम 35 प्रतिशत मार्जिन मनी कैश इकाई की में जाएगी। यह पहल राजस्थान में युवा रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

सुरक्षा सेवा क्षेत्र में 8 सालः एसोसिएशन फॉर सिक्योरिटी एसोसिएट्स का स्थापना दिवस आयोजित

फ्राइडे संवाद | जयपुर » एसोसिएशन फॉर सिक्योरिटी एसोसिएटम (एएसए) का आठवां स्थापना दिवस बुधवार को एक निजी होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनरल मानदाता सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, आईजी संदीप सिंह एवं कमांडेंट रविंद्र सिंह शामिल रहे। एसोसिएशन की ओर से विशेष सलाहकार कैप्टन होशियार सिंह, उपाध्यक्ष पूरण सिंह, अध्यक्ष गोपाल सिंह, मीडिया प्रभारी हरेन्द्र सुरेली, वीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, किशोर पूर्व, रामनिवास ढाका, ओमप्रकाश चिलानिया, राजेंद्र सिंह, अनिल सिंह,

उमेद सिंह और आकाश गौतम ने अतिथियों को साफा एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। एएसए अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह शेखावत ने संगठन की आठ वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। महासचिव जितेंद्र सिंह तंवर ने भविष्य की योजनाओं को साझा करते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए, सरकार से मांग की कि इन पर कड़ी कार्रवाही हो।

एफआर न्यूज़ के तत्वावधान में करियर गाइडेंस सेमिनार, 81 छात्रों को मिला मार्गदर्शन

झुंझुनूं » एफआर न्यूज़ के तत्वावधान में थ्री डॉट्स चिल्ड्रन एकेडमी, मंडावा मोड़ रोड, झुंझुनू में करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 11वीं और 12वीं के विज्ञान एवं कला संकाय के 81 विद्यार्थियों ने भाग लिया। एफआर न्यूज़ के झुंझुनू मीडिया प्रभारी कैफ राठौर के आयोजन में हुए इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में CADD GURU इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर एवं करियर काउंसलर आलम शेर खान मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को करियर के विविध विकल्पों के बारे में जानकारी दी। आलम शेर खान ने कहा कि आज के दौर में करियर केवल इंजीनियरिंग और मेडिकल तक सीमित नहीं है। प्रशासनिक सेवाएं, आईआईटी, हेल्थ सेक्टर, डिफेंस, सरकारी नौकरियां, डिजिटल फील्ड, डिजाइनिंग, मैनेजमेंट और अन्य अनेक क्षेत्रों में उज्ज्वल संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने छात्रों को अपनी रुचि, योग्यता और स्किल डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट भी आयोजित किया गया, जिसका परिणाम आगामी बड़े सेमिनार में घोषित किया जाएगा। इस टेस्ट के माध्यम से यह विश्लेषण किया जाएगा कि कौन सा छात्र किस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। स्कूल के डायरेक्टर आरिफ ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग देते हुए विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और लक्ष्य निर्धारण से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें समझाईं। विद्यार्थियों ने सेमिनार के दौरान सक्रिय रूप से सवाल पूछे और मार्गदर्शन प्राप्त किया।

काटली नदी की कोख से हटाया 'अवैध' कब्जा: केड़ गांव में प्रशासन का चला महा-अभियान

50 बीघा में खड़ी गेहूं की फसल पर चला ट्रैक्टर

झुंझुनूं » शेखावाटी की जीवन रेखा कही जाने वाली काटली नदी के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी और सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। बुधवार को गुढ़ागौड़जी तहसील के केड़ गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब तहसील प्रशासन भारी पुलिस जाब्ते के साथ सीधे नदी के पेटे में उतर गया। प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए लगभग 50 बीघा भूमि पर अवैध रूप से उगाई गई गेहूं की फसल को ट्रैक्टरों से नष्ट कर दिया और नदी के बहाव क्षेत्र को पूरी तरह साफ कराया।

पकने ही वाली थी फसल, कानून ने फेरा पानी

केड़ गांव में काटली नदी के बहाव क्षेत्र पर कब्जा कर अतिक्रमणकारियों ने गेहूं की फसल बो रखी थी। फसल पूरी तरह तैयार थी और कुछ ही दिनों में कटाई के लिए तैयार होने वाली थी। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि प्रशासन फसल कटने तक राहत देगा, लेकिन माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के सख्त निर्देशों के आगे किसी की एक न चली। तीन से चार ट्रैक्टरों को एक साथ चलाकर पूरी फसल को मिट्टी में मिला दिया गया। मौके पर मौजूद कुछ किसानों ने भावुक अपीलें भी कीं, लेकिन "कानून का पंजा" किसी भी दबाव में झुकता नजर नहीं आया।

हाईकोर्ट की सख्ती बनी कार्रवाई की वजह

इस सख्त कार्रवाई के पीछे हाईकोर्ट की सख्ती मुख्य वजह बताई जा रही है। काटली नदी के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर दायर जनहित याचिका पर जिला प्रशासन को जल्द ही हाईकोर्ट में विस्तृत रिपोर्ट पेश करनी है। सूत्रों के अनुसार पिछली सुनवाई में अदालत ने प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई थी। इसी कारण तहसीलदार, नायब तहसीलदार और पटवारियों की टीम गांव में डटी रही और कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

भारी पुलिस जाब्ता तैनात

कार्रवाई की सूचना मिलते ही केड़ गांव और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासनिक अधिकारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि नदी के बहाव क्षेत्र में एक इंच भी अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पैमाइश के दौरान सीमांकन के पत्थरों को दोबारा दुरुस्त किया गया, ताकि भविष्य में फिर से कब्जे की गुंजाइश न रहे।

नदी का रास्ता रोकना पड़ा महंगा

वर्षों से सूखे की मार झेल रही काटली नदी के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र को खेतों में तब्दील कर दिया गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भविष्य में अच्छी बारिश होती, तो यही अतिक्रमण पानी के रास्ते में बड़ी बाधा बन सकते थे और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो सकते थे। प्रशासन की इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य अतिक्रमणकारियों में भी दहशत का माहौल है और साफ संदेश दिया गया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं।

डीएचपी फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शकूरन भारतीय को दी गई विदाई

फ्राइडे संवाद » ढांडण स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में डीएचपी फ़ाउंडेशन के तत्वावधान में वरिष्ठ व्याख्याता (इतिहास) मोहतरमा शकूरन भारतीय के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। करीब 36 वर्षों तक शिक्षा सेवा में योगदान देने के बाद उनके सम्मान में यह कार्यक्रम रखा गया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, वह अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों के माध्यम से समाज और विद्यार्थियों के जीवन में सदैव जीवित रहता है। शकूरन भारतीय ने अपने शिक्षण काल में विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान दिया, बल्कि अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक मूल्यों की भी शिक्षा दी। डीएचपी फ़ाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में ऐसे समर्पित शिक्षकों के सम्मान को अपना दायित्व मानती है। कार्यक्रम के अंत में शकूरन भारतीय के स्वस्थ एवं सक्रिय भविष्य की कामना की गई।

अंजुमन इस्लामिया स्कूल; गणतंत्र दिवस पर छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों पर दी प्रस्तुति

फ्राइडे संवाद | सवाई माधोपुर » अंजुमन इस्लामिया स्कूल में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सलमान मिर्ज़ा ने ध्वजारोहण कर राष्ट्र को नमन किया। इस अवसर पर अंजुमन सदर फारूक, सईद भाई, अकाउंटेंट मुश्ताक अली पप्पी, रईस भाई सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत कर समां बांध दिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि की कामना की।

जयपुर में 15 फरवरी को होगा ऑल इंडिया जमीअतुल कुरैश का शताब्दी सम्मेलन

फ्राइडे संवाद | जयपुर » ऑल इंडिया जमीअतुल कुरैश का ऐतिहासिक 100वां वार्षिक सम्मेलन 15 फरवरी 2026 को बिरला ऑडिटोरियम, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी सहित देशभर के प्रतिनिधि और समुदाय की प्रतिष्ठित हस्तियां इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। जनरल सेक्रेटरी खालिद कुरैशी ने कहा कि राजस्थान के मेधावी छात्रों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने 2025 में बोर्ड परीक्षाओं में 95% से अधिक अंक प्राप्त किए हों या एमबीबीएस, इंजीनियरिंग, नीट- पीजी में सफलता हासिल की हो। खेल व अन्य क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागियों से 31 जनवरी तक व्हाट्सएप नंबर 9649111116 पर बायोडाटा भेजने का आग्रह किया गया है।

विद्याधर नगर में स्वास्थ्य व विकास की नई इबारत: फरहान नकवी

फ्राइडे संवाद | जयपुर » विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में भाजपा सरकार के नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। यह जानकारी बीजेपी मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा इंजीनियर फरहान नकवी ने दी। इंजीनियर नकवी ने बताया कि झोटवाड़ा पंचायत समिति क्षेत्र में सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। शहीद मंगेज सिंह पेट्रोल पंप के समीप 75 लाख रुपये की लागत से निर्मित नई डिस्पेंसरी

(पीएचसी) का हाल ही में लोकार्पण हुआ है। उपमुख्यमंत्री एवं विद्याधर नगर की विधायक दिया कुमारी ने कहा कि इस डिस्पेंसरी से हजारों माताओं, बहनों, बच्चों और स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। यहां डॉक्टरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में इंजीनियर फरहान नकवी और उनकी टीम द्वारा नियमित रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। जरूरतमंद मरीजों को तत्काल रक्त उपलब्ध कराने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। क्षेत्रवासियों ने विकास कार्यों की सराहना करते हुए सरकार का आभार व्यक्त किया है।

कलेक्टर गर्ग ने परेड में विभिन्न टुकड़ियों को दी सलामी

फ्राइडे संवाद | झुंझुनूं » गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर जिला कलेक्टर अरुण गर्ग खुली जिप्सी में सवार होकर परेड मैदान पहुंचे। उन्होंने परेड का निरीक्षण कर तैयारियों, अनुशासन और आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। लेक्टर ने परेड में शामिल विभिन्न टुकड़ियों को सलामी दी और उनके प्रदर्शन की सराहना की।

रघु सिन्हा-माला माथुर मेमोरियल फ्रेंडली पोलो मैच: यादों और रिश्तों का उत्सव

फ्राइडे संवाद » जयपुर के ऐतिहासिक रामबाग पोलो ग्राउंड में आयोजित रघु सिन्हा-माला माथुर मेमोरियल फ्रेंडली पोलो मैच अब केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक भावनात्मक वार्षिक परंपरा बन चुका है। यह आयोजन खेल, स्मृतियों और मित्रता का खूबसूरत संगम प्रस्तुत करता है, जिसका शहरवासी हर साल बेसब्री से इंतजार करते हैं। यह पोलो मैच रघु सिन्हा और माला माथुर की स्मृति को समर्पित है, जिनके विचार और मूल्य आज भी लोगों को एकजुट करते हैं। इस विशेष आयोजन का हर वर्ष स्नेहपूर्वक आयोजन वरिष्ठ सामाजिक व्यक्तित्व सुधीर माथुर द्वारा किया जाता है, जिनकी उदारता और व्यक्तिगत जुड़ाव इस दिन को खास बनाता है। जयपुर के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में मैच खेल भावना, सौहार्द और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसके बाद आयोजित हाई-टी में मित्रों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर यादों को साझा किया और इस गरिमामय अवसर का आनंद लिया।

27वीं विंटेज एवं क्लासिक कार एग्जीबिशन: 100 विंटेज और क्लासिक कारें प्रदर्शित

फ्राइडे संवाद » राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब (आरएएससीसी), जयपुर द्वारा ताज जय महल पैलेस में 27वीं विंटेज एवं क्लासिक कार प्रदर्शनी और ड्राइव का भव्य आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस प्रतिष्ठित आयोजन में देशभर से आई करीब 100 विंटेज और क्लासिक कारों ने दर्शकों को ऑटोमोबाइल के स्वर्णिम इतिहास से रूबरू कराया। प्रदर्शनी में जयपुर, सीकर, दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों से आए संग्राहकों ने अपनी दुर्लभ और सहेजी गई गाड़ियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विंटेज ऑटोमोबाइल संस्कृति को संरक्षित करने वाले सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गनी ऑटोज़ के डायरेक्टर अब्दुल हमीद द्वारा संग्रहित विंटेज कारों का विशेष प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। उनकी गाड़ियों की मौलिकता और बेहतरीन रखरखाव को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया, जबकि पर्यटन विभाग की आयुक्त रुक्मणी रियार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

बूथ लेवल अधिकारियों ने मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना के खिलाफ जिला कलेक्टर को ज्ञापन

फ्राइडे संवाद | सीकर » बुधवार को बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। बीएलओ ने मानदेय नहीं देने और मानसिक परेशान करने को लेकर निर्वाचन शाखा के कार्मिकों के खिलाफ नारेबाजी की। बीएलओ बिजेंद्र सिंह महरिया ने बताया कि एसआईआर में कर्मठता से काम करने के बावजूद अल्प मानदेय के लिए तरसना पड़ रहा है। सभी जिलों में मतदाता दिवस का पेमेंट हो गया, लेकिन सीकर के बूथ लेवल अधिकारियों को अलाउंस नहीं दिया गया। निर्वाचन शाखा का एक कर्मचारी बूथ लेवल अधिकारियों को वॉट्सएप ग्रुप में सार्वजनिक धमकी देता है और जलील करता है। बूथ लेवल अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन शाखा के कर्मचारी का व्यवहार न्यायोचित नहीं है। बीएलओ पिछले 8 महीने से पेमेंट लीव के लिए परेशान हो रहे हैं, लेकिन प्रभारी अधिकारी टाइम नहीं होने की बात कहकर टाल देते हैं। एसआईआर के लिए बीएलओ ने रात-रातभर काम किया लेकिन ऑफिस में बैठे कार्मिक समस्याओं का समाधान नहीं करते हैं। सीकर के सभी बीएलओ ने पेमेंट लीव और चाइल्ड केयर लीव स्वीकृत करने, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े वॉट्स ग्रुप को एडमिन मोड ना रखने, मतदाता दिवस का स्पेशल अलाउंस जारी करने समेत कई समस्याओं के समाधान की मांग की।

सर्द रातों में सहारा बना 'मौलाना फजलुर्रहीम फाउंडेशन', मौलाना फजलुर्रहीम और डॉ. समरा सुल्ताना ने बांटे गर्म कपड़े

फ्राइडे संवाद | जयपुर » गुलाबी नगरी में कड़ाके की सर्दी के बीच, 'मौलाना फजलुर्रहीम फाउंडेशन' (एमएफएफ) ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दिदी और समाज सेविका डॉ. समरा सुल्ताना ने जयपुर की सड़कों पर उतरकर ठंड से ठिठुरते लोगों को राहत पहुंचाई।

इस विशेष अभियान के तहत, मौलाना फजलुर्रहीम और डॉ. समरा सुल्ताना ने खुद देर रात शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा किया। उन्होंने फुटपाथों, रैन बसेरों और रिक्शा चालकों के पास जाकर करीब 145 कंबल, जैकेट और स्वेटर वितरित किए। फाउंडेशन के इस प्रयास से कड़कड़ाती ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर लोगों को बड़ी राहत मिली है।

जरूरतमंदों का ख्याल रखना हर सक्षम व्यक्ति का कर्तव्य

वितरण के दौरान मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम ने कहा कि समाज के हर सक्षम व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के जरूरतमंदों का ख्याल रखे, विशेषकर इस भीषण सर्दी के मौसम में। मौलाना फजलुर्रहीम फाउंडेशन (एमएफएफ) समाज सेवा और जनहित के कार्यों में सदैव अग्रणी रहा है। यह संस्था न केवल सर्दी में राहत कार्य करती है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में भी निरंतर सक्रिय है।

Abid Ali
Mo. 9950313274
A.K. Medical & General Store
Add- Narshah Road, Footla Bazar, JJN
Branches:
• Anas Medical & General Store
Add- Store Ansari Colony, Jhunjhunu (Raj.)
• Vaibaw Medical & General Store
Add - Azam Nagar, Jhunjhunu (Raj.)
नेबुलाइजर, शुगर जांच,ब्लड प्रेशर की जांच मेडिकल विधि से खतना।

IMAM RABBANI
SR. SEC. PUBLIC SCHOOL
(An English Medium School)
HURRY UP!
Admission Open
For Boys & Girls
Nursery To XII
Hidayat Bagh, Handipura, Char Darwaza, Jaipur. Cont.: 0141-2601221

New Human Welfare Society
NHW
समाज की सेवा के लिए तत्पर
प्लाट नं. 136, संजय नगर सी, झोटवाड़ा, जयपुर-302012
मो. 8824282719, 9166931931

डूब गए हैं लोग सभी हैरानी में,
जानें क्या कह दी है बात रवानी में,
मुझको चुप रहने की आदत है वरना,
जानता हूं मैं, कौन है कितने पानी में।
-शौकत फहमी

भारत में प्रिंट किताबों का महत्व बरकरार, ई-बुक बाजार अभी पीछे

जयपुर » डिजिटल युग में भी भारतीय पाठकों का प्रिंट किताबों से लगाव कम नहीं हुआ है। 2025 के आंकड़े बताते हैं कि भौतिक किताबों की लोकप्रियता ई-बुक्स से कहीं अधिक बनी हुई है। स्टेटिस्टा के अनुसार, भारत का प्रिंट बुक बाजार 2025 में 5.83 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि ई-बुक बाजार केवल 255 मिलियन डॉलर का रहा। नील्सनआईक्यू बुकडेटा की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत ने 18 देशों में सबसे तेज 27% की राजस्व वृद्धि दर्ज की। इसमें फिक्शन की बिक्री में 30.7% की शानदार उछाल आई। क्रॉसवर्ड बुकस्टोर्स की निदेशक निधि गुप्ता बताती हैं, "हमारे स्टोर्स में 65-70% बिक्री प्रिंट किताबों की है। दिलचस्प बात यह है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पढ़ने वाले लोग भी वही किताब प्रिंट में खरीदते हैं।" मेट्रो शहरों में प्रिंट का हिस्सा 65-70% है, जबकि टियर-2 और टियर-3 शहरों में यह 85% तक पहुंचता है।

ई-बुक्स की पैठ अभी केवल 8.1%

एमबीएमसीपीडब्ल्यूबी के सर्वेक्षण में 62% पाठकों ने प्रिंट किताबों को प्राथमिकता दी। युवा पीढ़ी भले ही ई-बुक्स की सुविधा की सराहना करती है, लेकिन प्रिंट किताबों का स्पर्श, उन्हें संग्रहित करने का आनंद और बैटरी-मुक्त पढ़ने का अनुभव आज भी पाठकों को आकर्षित करता है। वर्तमान में ई-बुक्स की पैठ केवल 8.1% है, जो 2029 तक 9.6% तक पहुंचने का अनुमान है। कोविड महामारी के बाद पढ़ने की आदत में वृद्धि हुई, लेकिन प्रिंट ने डिजिटल को पीछे छोड़ दिया। बुकस्टोर्स अब लेखक मुलाकात, साहित्यिक कार्यक्रमों और पुस्तक विमोचन जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्राहकों को जोड़े रख रहे हैं। अमेजन किंडल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म चुनौती जरूर हैं, लेकिन प्रिंट का सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व अभी भी कायम है। भविष्य हाइब्रिड मॉडल का प्रतीत होता है, जहां प्रिंट और डिजिटल दोनों साथ-साथ चलेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, 2029 तक प्रिंट पाठकों की संख्या 501 मिलियन तक पहुंच जाएगी। पाठक अपनी सुविधा और मूड के अनुसार माध्यम का चयन करेंगे, लेकिन प्रिंट किताबों का आकर्षण बना रहेगा।

वैश्विक अविश्वास के दौर में अरब अमीरात में भरोसे का माहौल

-मुहम्मद फारुख पहाड़ियान
सीईओ, एफआर न्यूज, जयपुर

अबू धाबी » जब पूरी दुनिया अविश्वास और संदेह की ओर बढ़ रही है, तब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) विपरीत दिशा में आगे बढ़ रहा है। 2026 एडलमन ट्रस्ट बैरोमीटर ने इस असामान्य स्थिति को स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया है। सर्वेक्षण के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 10 में से 7 लोग अब उन लोगों पर भरोसा करने में संकोच या अनिच्छुक हैं जो मूल्यों, पृष्ठभूमि या विश्वदृष्टि में उनसे भिन्न हैं। यह अविश्वास की स्थिति का संकेत है, जहां संवाद की जगह संदेह ने ले ली है। इस पृष्ठभूमि में, यूएई ने चीन के साथ संयुक्त रूप से वैश्विक स्तर पर भरोसे के मामले में पहला स्थान हासिल किया है, जिसका इंडेक्स स्कोर 80 है। यह स्थानीय भावना और वैश्विक असहजता के बीच एक स्पष्ट विरोधाभास को दर्शाता है। एडलमन अबू धाबी की प्रमुख निदा लोन ने कहा, "यह एक शानदार परिणाम है, लेकिन जब आप इसकी तुलना वैश्विक औसत से करते हैं, तो आप वास्तव में देखते हैं कि यूएई की तस्वीर कितनी अलग है।"

आशावाद का अंतर

भविष्य के बारे में आशावाद में भी स्पष्ट अंतर दिखता है। विश्व स्तर पर केवल 32 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि अगली पीढ़ी स्वयं की तुलना में बेहतर स्थिति में होगी। यूएई में यह आंकड़ा लगभग दोगुना है - 63 प्रतिशत। लोन ने कहा, "यह आत्मविश्वास आकस्मिक नहीं है। यहां भरोसा विश्वसनीयता, स्थिरता और एक साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण के माध्यम से लगातार प्रदान करके बनाया गया है, जिसे सरकार, मीडिया और व्यवसाय की संस्थाएं स्पष्ट रूप से संप्रेषित और सेवा करती हैं।" वैश्विक स्तर पर आशावाद तेजी से घट रहा है। एडलमन ने भारत और चीन जैसे देशों में साल-दर-साल सबसे तेज गिरावट दर्ज की है, जबकि विकसित बाजार ऊपर की गतिशीलता और पीढ़ीगत प्रगति के बारे में और भी गहरी निराशावाद दिखाते हैं।

ध्रुवीकरण से अलगाव की ओर

दो दशकों से अधिक समय से भरोसे को ट्रैक करते हुए, एडलमन का कहना है कि सार्वजनिक भावना ध्रुवीकरण से शिकायत की ओर विकसित हुई है - और अब अलगाव में बदल गई है। लोन ने समझाया, "अलगाव का अर्थ है कि लोग उन लोगों पर भरोसा करने में अधिक संकोच करते हैं जो उनसे अलग महसूस करते हैं - अलग विश्वास, अलग पृष्ठभूमि, अलग विश्वदृष्टि।" जबकि यह मानसिकता अब वैश्विक स्तर पर हावी है, यूएई अध्ययन में मापी गई दूसरी सबसे कम अलगाववादी देश के रूप में उभरा है। एडलमन इसका श्रेय देश की अत्यधिक विविध आबादी और तुलनात्मक रूप से खुले सामाजिक वातावरण को देता है। लोन ने कहा, "वह विविधता और सहिष्णुता यूएई को अलगाव के मामले में एक बहुत ही सकारात्मक तस्वीर देती है।"

बढ़ता वर्ग विभाजन और राष्ट्रवाद

अन्य जगहों पर, भरोसा तेजी से आय और निकटता से आकार ले रहा है। 2012 से, उच्च और निम्न आय समूहों के बीच भरोसे का अंतर विश्वव्यापी रूप से दोगुने से अधिक हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका अब 29 अंकों पर सबसे बड़ा वर्ग-विभाजन दिखाता है। साथ ही, लोग भौगोलिक रूप से अंदर की ओर मुड़ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, केवल 30 प्रतिशत उत्तरदाता कहते हैं कि वे विभाजन के पार भरोसा करने के लिए तैयार हैं, जबकि 70 प्रतिशत या तो संकोच करते हैं या ऐसा करने के लिए अनिच्छुक हैं। भरोसा भी तेजी से सीमाओं द्वारा आकार ले रहा है। भरोसा लगातार घरेलू कंपनियों को विदेशी कंपनियों पर प्राथमिकता देता है, कनाडा, जर्मनी, जापान और यूके जैसे बाजारों में मजबूत राष्ट्रवादी प्राथमिकताएं दर्ज की गई हैं।

'Justice delayed is justice destroyed': हाईकोर्ट्स को सतर्क प्रहरी की भूमिका निभानी होगी: सीजेआई कांत

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) कांत ने न्याय व्यवस्था में देरी को लेकर कड़ा संदेश देते हुए कहा कि "न्याय में देरी केवल न्याय से वंचित करना नहीं, बल्कि न्याय को नष्ट करना है।" मुंबई यूनिवर्सिटी में आयोजित फाली नरीमन मेमोरियल लेक्चर में बोलते हुए उन्होंने हाईकोर्ट्स से अपील की कि वे न्याय तक पहुंच को केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि राज्य द्वारा सुनिश्चित की जाने वाली सेवा के रूप में देखें। सीजेआई ने कहा कि हाईकोर्ट्स को अपनी पारंपरिक अपीलीय या पुनरीक्षण भूमिका तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें संवैधानिक उपचार उपलब्ध कराने वाले सुलभ मंच के रूप में कार्य करना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 226 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट्स स्वतंत्र संवैधानिक अदालतें हैं, न कि सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने की "सीढ़ी" मात्र। उन्होंने कहा, "आम नागरिक के दरवाजे पर खड़ा पहला प्रहरी हाईकोर्ट ही होता है। गैरकानूनी हिरासत, गरिमा के हनन या प्रशासनिक निष्क्रियता जैसे मामलों में पहली पुकार अक्सर हाईकोर्ट ही सुनता है।" सुप्रीम कोर्ट भले अंतिम निर्णय दे, लेकिन सबसे अहम भूमिका कई बार हाईकोर्ट की ही होती है।

हाईकोर्ट्स को व्यापक अधिकार : सीजेआई कांत ने अनुच्छेद 226 को भारत के औपनिवेशिक अतीत के संदर्भ में समझाते हुए कहा कि जब कानूनों का इस्तेमाल आज़ादी दबाने के लिए किया जाता था, तब यह समझ बनी कि प्रभावी उपचार के बिना अधिकार खोखले हैं। इसी सोच ने हाईकोर्ट्स को व्यापक अधिकार दिए। उन्होंने जनहित याचिका (पीआईएल) को संवैधानिक न्याय में नैतिक बदलाव बताते हुए कहा कि इससे गरीब, अशिक्षित और हाशिए पर पड़े लोगों की आवाज अदालतों तक पहुंची। साथ ही, सीमित लेकिन जिम्मेदार सुओ मोटो शक्तियों ने भी न्याय को मजबूत किया। डिजिटल युग की जरूरतों पर जोर देते हुए सीजेआई ने कहा कि वर्चुअल सुनवाई को आपात व्यवस्था मानने के बजाय न्याय को सुलभ, सस्ता और समान बनाने का साधन बनाया जाए। उन्होंने लंबी और जटिल सुनवाइयों पर फाली नरीमन की आलोचना को याद करते हुए प्रक्रियात्मक सुधार की जरूरत बताई। अंत में, सीजेआई ने चेताया कि संपन्न और विशेषाधिकार प्राप्त लोग अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने की प्रवृत्ति न अपनाएं। अनुच्छेद 226 को उन्होंने न्याय तक पहुंच की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि हाईकोर्ट्स को शासन की विफलताओं पर चुप नहीं बैठना चाहिए, बल्कि सतर्क प्रहरी की तरह खड़ा रहना चाहिए।

बिजनेस

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता: "मदर ऑफ़ ऑल डील्स" पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली » भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए, जिसे दोनों पक्षों ने "सभी सौदों की जननी" करार दिया है। यह समझौता लगभग दो दशकों की रुक-रुक कर चली वार्ताओं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध से उत्पन्न भू-आर्थिक संकट के दौरान संपन्न हुआ। यह सौदा भारत और 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के बीच है, जो लगभग 2 अरब लोगों को कवर करता है और लगभग 27 ट्रिलियन डॉलर के संयुक्त बाजार का प्रतिनिधित्व करता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 25 प्रतिशत है। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे व्यापक व्यापार समझौता है, जो यूरोपीय संघ के कस्टम यूनियन में वस्तुओं, सेवाओं और निवेश को कवर करता है।

2023 में, यूरोपीय संघ ने भारत के लिए सामान्यीकृत प्राथमिकता योजना (जीएसपी) लाभ वापस ले लिया था, जिससे भारतीय निर्यातकों को उच्च टैरिफ का सामना करना पड़ा। विश्लेषकों के अनुसार, नया सौदा भारत को कई क्षेत्रों में बढ़त दे सकता है, जिनमें वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी, इस्पात, पेट्रोलियम उत्पाद और इलेक्ट्रिकल उपकरण शामिल हैं। कुल मिलाकर, यूरोपीय संघ भारत को 144 सेवा उप-क्षेत्रों तक पहुंच प्रदान कर रहा है, जबकि भारत यूरोपीय संघ के लिए 102 उप-क्षेत्र खोल रहा है, जिनमें वित्तीय, समुद्री और दूरसंचार उद्योग शामिल हैं।

नेतृत्व की प्रतिक्रिया : यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा सोमवार को गणतंत्र दिवस और इसकी वार्षिक सैन्य परेड के मानद अतिथि के रूप में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शामिल हुए। मोदी ने मंगलवार को भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन से पहले वस्तुतः एक ऊर्जा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "यह समझौता भारत और यूरोप के लोगों के लिए बड़े अवसर लेकर आएगा।" वॉन डेर लेयेन ने X पर एक पोस्ट में लिखा, "यूरोप और भारत आज इतिहास बना रहे हैं। हमने दो अरब लोगों का एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाया है, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। हम अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाएंगे।" मंगलवार को मोदी ने कपड़ा, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों के भारतीय श्रमिकों और उद्योग नेताओं से कहा कि "समझौता आपके लिए बहुत मददगार साबित होगा," और यह न केवल भारत में विनिर्माण को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत के सेवा क्षेत्र का भी विस्तार करेगा। मोदी ने कहा, "यह मुक्त व्यापार समझौता दुनिया में हर व्यवसाय और हर निवेशक के लिए भारत में विश्वास को मजबूत करेगा, जो सभी क्षेत्रों में वैश्विक भागीदारी पर व्यापक रूप से काम कर रहा है।"

सरकार की रिपोर्ट में महंगाई और रुपये की कमजोरी के बारे में क्या कहा ?

नई दिल्ली » संसद में आज पेश किए गए 'आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26' ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मिली-जुली तस्वीर पेश की है। सरकार ने साफ किया है कि अगले वित्त वर्ष में देश की विकास दर 6.8% से 7.2% के बीच रहने का अनुमान है। हालांकि, सर्वे में आगाह किया गया है कि कमजोर होता रुपया और सोने-चांदी की बढ़ती कीमतें महंगाई को थोड़ी हवा दे सकती हैं। सर्वे के मुताबिक, अगले साल महंगाई दर में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह आरबीआई के तय दायरे में ही रहेगी।

चिंता की बात: रुपये में गिरावट आने से विदेश से सामान मंगाना महंगा हो सकता है, जिसे 'इम्पोर्टेड इन्फ्लेशन' कहा जाता है। इसके अलावा सोना, चांदी और तांबे जैसी धातुओं की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी, जिससे कोर इन्फ्लेशन पर दबाव रहेगा।

राहत की बात: अच्छी खबर यह है कि

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी के दाम घट रहे हैं। साथ ही, अच्छी फसल के कारण खाने-पीने की चीजों के दाम भी काबू में रहने की उम्मीद है, जो महंगाई को ज्यादा बढ़ने नहीं देंगे। बिजनेस और इंडस्ट्री पर असर सर्वे और हालिया व्यापार समझौतों का सीधा असर भारतीय कंपनियों पर भी दिखने वाला है। भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भारतीय ऑटो सेक्टर सतर्क हो गया है।

सस्ती होंगी विदेशी कारें: यूरोप से आने वाली कारों पर आयात शुल्क 110% से घटकर 10% होने जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, इससे टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी देसी कंपनियों को यूरोपीय कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल सकती है। महंगाई के काबू में रहने और ग्रोथ को सहारा देने के लिए आरबीआई अगले हफ्ते ब्याज दरों में 0.25% की कटौती कर सकता है। यह इस साइकिल की आखिरी कटौती हो सकती है, जिससे होम लोन और कार लोन लेने वालों को थोड़ी और राहत मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर आर्थिक सर्वे का संदेश साफ है- भारत की ग्रोथ स्टोरी मजबूत है और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में बनी रहेगी। हालांकि, कमजोर रुपया और ग्लोबल मार्केट की उथल-पुथल के बीच सरकार को फूंक-फूंक कर कदम रखने होंगे।

गूगल का नया एआई टूल 'पुमेली': क्या मार्केटिंग एजेंसियों का दौर खत्म होने वाला है?

डिजिटल मार्केटिंग की दुनिया में एक बड़ा बदलाव आता दिख रहा है। हाल ही में गूगल ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल लॉन्च किया है, जिसका नाम है 'पुमेली'। इस टूल को लेकर दावा किया जा रहा है कि यह ब्रांड ओनर्स को खुद ही अपना पूरा मार्केटिंग कंटेंट बनाने में सक्षम बना देगा। इसी वजह से यह चर्चा तेज हो गई है कि आने वाले समय में करीब 80 फीसदी पारंपरिक मार्केटिंग एजेंसियां बाजार से बाहर हो सकती हैं। पुमेली की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे इस्तेमाल करना बेहद आसान बताया जा रहा है। यूजर को सिर्फ अपनी ब्रांड वेबसाइट का लिंक पेस्ट करना होता है। इसके बाद यह एआई टूल उस ब्रांड की पूरी "एनाटॉमी" यानी डीएनए, विजुअल स्टाइल, रंग, फॉन्ट, ब्रांड पर्सोना और टोन को खुद-ब-खुद समझ लेता है। इतना ही नहीं, यह सोशल मीडिया पोस्ट, ऐड कैंपेन, क्रिएटिव डिजाइन और अन्य प्रमोशनल कंटेंट भी ऑटोमैटिकली जनरेट करना शुरू कर देता है। इस टूल की एक और खास बात यह है कि इसमें बार-बार बदलाव (मल्टीपल इटरेशन) करने की झंझट कम हो जाती है। आमतौर पर किसी एजेंसी के साथ काम करते समय क्लाइंट और टीम के बीच कई राउंड की बातचीत होती है, जिसमें समय और पैसा दोनों खर्च होते हैं। लेकिन पुमेली के साथ यह प्रक्रिया काफी हद तक ऑटोमेटेड हो जाती है, जिससे छोटे और मझोले ब्रांड्स को बड़ी राहत मिल सकती है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार है, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

RANGOLI PRINTERS
(A UNIT OF CARD CREATION)
We Serve to Printing Press & Advertisers Only
Naved Khan
Director
(8302492937)
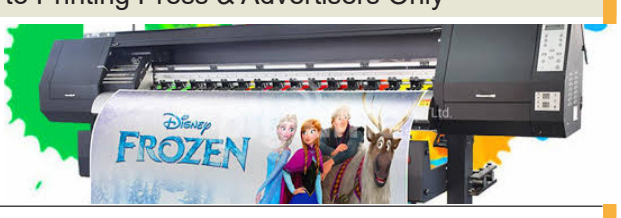

Balaji Mandir Marg, Sanjay Nagar, Jagannath Puri, Suraj Nagar, Jhotwara, Jaipur, Rajasthan 302012 > rangoliprinters141@gmail.com
90794 71772, 7976220291

सलमान फारसी: जिनकी सच की खोज ने उन्हें ईरान से मदीना तक पहुंचाया

फ़ाइडे संवाद | आदिल रियाज़ी इटावा » सलमान फारसी (रज़ि.) इस्लाम के महान सहाबी थे, जिनकी सच की खोज ने उन्हें ईरान से मदीना तक पहुंचाया। वे उन चुनिंदा सहाबा में शामिल हैं, जिन्होंने हक़ की तलाश में अपनी ज़िंदगी का अहम हिस्सा सफ़र में गुज़ारा। हिदायत की यह यात्रा उनकी जिंदगी की सबसे अहम कड़ी है। सलमान फारसी (रज़ि.) का जन्म फारस (ईरान) में हुआ। सत्य की तलाश में उन्होंने अपना वतन छोड़ा और सबसे पहले इराक के इलाक़ों की ओर रुख किया। इसके बाद वे शाम (सीरिया) पहुंचे और फिर रूम के क्षेत्र अमूरिया गए। अंततः वहीं से उन्हें आख़िरी नबी हज़रत मुहम्मद (स.अ.व) के मदीना आने की खबर मिली और वे मदीना पहुंच गए। नबी मुहम्मद (स.अ.व) ने सलमान फारसी (रज़ि.) के बारे में फ़रमायाः "अगर ईमान थुरैय्या (सबसे ऊँचे तारे) पर भी होता, तो फारस के लोगों में से कोई न कोई उसे ज़रूर हासिल कर लेता।" यह हदीस सहीह मुस्लिम में रिवायत है, जो फारसियों की ईमान और इल्म में अग्रणी भूमिका की भविष्यवाणी करती है। सलमान फारसी (रज़ि.) इसकी जीती-जागती मिसाल बने।

जीवन यात्रा का सार

सलमान फारसी (रज़ि.) एक धनी परिवार में पैदा हुए, लेकिन सच की तलाश ने उन्हें सांसारिक

ऐश्वर्य से दूर कर दिया। हज़ारों मील का सफर, कड़ी मशक्कत के बाद अंततः इस्लाम की रोशनी मदीना में मिली। गुलामी से आज़ादी तक की उनकी यात्रा में स्वयं नबी (स.अ.व) ने सहायता की। उन्होंने क़ुरआन की आयतों का फारसी भाषा में अर्थ समझाने का काम किया, जिससे गैर-अरबी लोगों को दीन समझने में आसानी हुई।

खंदक की रणनीति

जंग-ए-खंदक के दौरान सलमान फारसी (रज़ि.) का योगदान इस्लामी इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। जब क़ुरैश और उनके सहयोगी क़बीले लगभग दस हज़ार के लश्कर के साथ मदीना पर हमला करने को एकजुट हुए, तो सलमान फारसी (रज़ि.) ने सुझाव दिया कि फारस में दुश्मन के घेराव की स्थिति में खंदक खोदी जाती है। नबी (स.अ.व) ने इस सुझाव को अपनाया, जो इस्लाम की प्रभावी रक्षात्मक रणनीति बनी। सहीह बुख़ारी में खंदक की खुदाई का वर्णन मिलता है, जहां एक बड़े पत्थर पर नबी (स.अ.व) की कुदाल पड़ते ही वह रेज़ा-रेज़ा हो गया। यह सलमान फारसी (रज़ि.) की दूरदर्शिता का परिणाम था, जिसने युद्ध की दिशा बदल दी।

अबू दरदा (रज़ि.) को नसीहत

सलमान फारसी (रज़ि.) ने अबू दरदा (रज़ि.) को इबादत और दुनियावी जीवन में संतुलन की अहम नसीहत दी। नबी (सल्ल.) ने दोनों को आपस में भाई बनाया था। एक बार सलमान ने देखा कि अबू दरदा (रज़ि.) रात भर इबादत करते और दिन में लगातार रोज़ा रखते हैं। तब सलमान ने कहाः "तुम्हारे रब का तुम पर हक़ है, तुम्हारे जिस्म का तुम पर हक़ है और तुम्हारे घरवालों का तुम पर हक़ है—हर हक़ अदा करो।"

नसीहत का सार

इस हदीस में दीन के संतुलित रास्ते की शिक्षा मिलती है: रब का हक़ः इबादत ज़रूरी है, लेकिन हद से आगे बढ़ना दीन नहीं। शरीर का हक़ः आराम, नींद और सेहत का ख्याल रखना भी इबादत है। परिवार का हक़ः बीवी-बच्चों और घरवालों की ज़िम्मेदारी निभाना फर्ज़ है।

मदाइन के गवर्नर

दूसरे खलीफा हज़रत उमर फारूक (रज़ि.) के दौर में, जब फारसी साम्राज्य का बड़ा हिस्सा फतह हो गया, तो सलमान फारसी (रज़ि.) को मदाइन (तिस्फ़ून) का गवर्नर नियुक्त किया गया। मदाइन उस समय फारस की शान-ओ-शौकत का केंद्र हुआ करता था।

शासन का अनोखा तरीका

गवर्नर होने के बावजूद उनका रहन-सहन एक फकीर जैसा था। सादगीः वे सरकारी तनख्वाह नहीं लेते थे, बल्कि खजूर की टहनियों से टोकरियाँ बुनकर गुज़ारा करते थे। लिबासः उनके सादे कपड़ों के कारण अक्सर लोग उन्हें साधारण मज़दूर समझ लेते थे। कोई महल नहींः उन्होंने न कोई महल बनवाया, न अलग ठाठ-बाट रखा, बल्कि आम लोगों के बीच रहकर उनके मसले हल करते रहे। सलमान फारसी (रज़ि.) की वफ़ात लगभग 35 हिजरी में हुई। उनका जीवन इस्लाम की वैश्विकता, सादगी और इंसाफ़ की जीवंत मिसाल है।

निर्णय, भावनाएं और महिला-पुरुष का मानसिक संतुलनः क्या कहती है हदीस और आधुनिक रिसर्च

आधुनिक मेडिकल और मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हार्मोनल बदलावों का असर इंसान के फैसलों पर पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं में हार्मोनल परिवर्तन के दौरान भावनाओं की भूमिका बढ़ जाती है, जिससे कभी-कभी निर्णय भावनाओं के प्रभाव में लिए जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हर इंसान के भीतर दो अवस्थाएं होती हैं—एक तर्क (अक़्ल) की और दूसरी भावनाओं (इमोशन्स) की। कई बार तर्क हावी रहता है और व्यक्ति भावनाओं को नियंत्रित कर सही फैसला लेता है, जबकि कई स्थितियों में भावनाएं तर्क पर हावी हो जाती हैं।

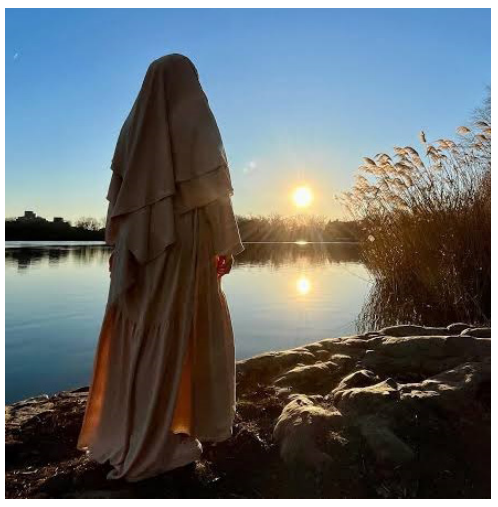

पुरुष भावनात्मक अवस्था में रहते हैं मजबूत ?

यह स्थिति पुरुष और महिला दोनों में देखी जाती है, लेकिन आधुनिक रिसर्च के मुताबिक महिलाओं में भावनात्मक अवस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रभावशाली होती है, जबकि पुरुषों में तर्क की अवस्था अक्सर मजबूत रहती है। हालांकि, विशेषज्ञ साफ करते हैं कि यह कोई कमी या दोष नहीं है, बल्कि महिलाओं की एक विशेषता है। इसी भावनात्मक गहराई की वजह से मां और बच्चे के बीच प्रेम का रिश्ता अनोखा होता है, जो पिता के प्रेम से अलग रूप में दिखाई देता है।

महिलाओं को "नक़िस-उल-अक़्ल" कहे जाने को लेकर गलतफहमी

हदीस में महिलाओं को "नक़िस-उल-अक़्ल" कहे जाने को लेकर भी अक्सर गलतफहमी फैलाई जाती है। विद्वानों के अनुसार इसका अर्थ बुद्धिमत्ता या इंटेलिजेंस की कमी नहीं है। आधुनिक शोध भी साबित करता है कि पुरुष और महिलाएं लगभग समान रूप से बुद्धिमान होते हैं। यहां केवल यह बताया गया है कि कई बार महिलाओं में भावनाएं तर्क पर हावी हो जाती हैं और निर्णय भावनात्मक आधार पर लिए जाते हैं, न कि यह कि वे कम समझदार हैं।

امتحان (इम्तिहान)

अर्थ : परीक्षा, जाँच, कसौटी या आज़माइश

तमाम पाबंदियों के बावजूद चीन में इस्लाम तेजी से फैल रहा

फ़ाइडे संवाद | शीनिंग (चीन) » चीन में धार्मिक गतिविधियों पर कड़ी पाबंदियों के बावजूद इस्लाम तेजी से फैल रहा है। चीन के चिंगहाई प्रांत के शीनिंग शहर में स्थित डोंगगुआन मस्जिद इसका प्रमाण है, जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम नमाज अदा करने के लिए एकत्रित होते हैं। डोंगगुआन मस्जिद, जिसे चीनी भाषा में 'डोंगगुआन छिंगझेन दा सि' कहा जाता है, चिंगहाई प्रांत की सबसे बड़ी मस्जिद है। यह अपनी अनूठी चीनी-इस्लामी वास्तुकला के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। मस्जिद की भव्यता और ऐतिहासिक महत्व इसे क्षेत्र की इस्लामी संस्कृति का प्रमुख केंद्र बनाता है। हाल के वर्षों में चीनी सरकार ने धार्मिक गतिविधियों पर कड़े नियंत्रण लगाए हैं, विशेष रूप से शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों पर। इसके बावजूद देश के अन्य हिस्सों में इस्लाम का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। डोंगगुआन मस्जिद में नियमित रूप से होने वाली नमाज़ और धार्मिक सभाओं में हजारों लोग शामिल होते हैं। यह मस्जिद न केवल धार्मिक केंद्र है, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर भी है। इसकी वास्तुकला में चीनी और इस्लामी शैलियों का सुंदर समन्वय देखा जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक प्रतिबंधों के बीच भी चीन में मुस्लिम समुदाय अपनी आस्था और परंपराओं को जीवित रखे हुए है।

स्पोर्ट्स/टेक्नोलॉजी

सरफराज फिर से टीम इंडिया में आने का हकदारः अजहरुद्दीन

मुंबई के प्रतिभाशाली बल्लेबाज सरफराज खान लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन लगातार चयनकर्ताओं का ध्यान खींच रहा है। नवंबर 2024 में भारत के लिए आखिरी मैच खेलने वाले 28 वर्षीय सरफराज ने इसके बाद घरेलू टूर्नामेंट्स में रनों का अंबार लगाया है। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 157, 55 और 62 रनों की शानदार पारियां खेलीं, जबकि रणजी ट्रॉफी में हैदराबाद के खिलाफ 227 रनों की दोहरी शतकीय पारी जमाकर अपनी दावेदारी और मजबूत की। सरफराज ने हाल ही में फिटनेस पर भी खास ध्यान दिया है और अपना वजन कम किया है, जिससे उनकी फुर्ती और खेल में निरंतरता साफ नजर आ रही है। इसके बावजूद टीम इंडिया में उन्हें दोबारा मौका नहीं मिल सका है। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन सरफराज के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर से गुजारिश की है कि सरफराज को एक और मौका दिया जाना चाहिए।

सरफराज मैच की स्थिति को बहुत तेजी से बदल सकते हैं

अजहरुद्दीन ने कहा कि सरफराज एक आक्रामक बल्लेबाज हैं, जो मैच की स्थिति को बहुत तेजी से बदल सकते हैं। उन्हें गेंदबाजों का दबाव झेलना पसंद नहीं है और यही एक अच्छे बल्लेबाज की पहचान होती है। उन्होंने यह भी कहा कि मुश्किल पिचों पर अच्छे स्ट्राइक रेट से रन बनाना सरफराज की क्वालिटी को दिखाता है। पूर्व कप्तान ने सरफराज की सीखने की भूख और कभी हार न मानने वाले रवैये की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत के लिए खेल चुके होने के बावजूद सरफराज अब भी खुद को बेहतर बनाना चाहता है, जो एक खिलाड़ी के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। फरवरी 2024 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले सरफराज अब तक छह टेस्ट मैच खेल चुके हैं, जिसमें उनके नाम एक शतक और तीन अर्धशतक दर्ज हैं। अजहरुद्दीन का मानना है कि अगर कोई बल्लेबाज हर स्तर पर रन बना रहा हो और फिर भी उसे मौका न मिले, तो यह निराशाजनक होता है। उन्होंने भरोसा जताया कि सरफराज को जल्द ही टीम इंडिया में दोबारा खेलने का अवसर मिलेगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयन समिति अजहरुद्दीन की इस अपील पर गौर करती है और सरफराज को फिर से सफेद जर्सी पहनने का मौका देती है।

बांग्लादेश ने हिंदुस्तान में निशानेबाजी चैंपियनशिप के लिए टीम

नई दिल्ली/ढाका » बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी क्रिकेट टीम को भारत न भेजने के फैसले के बावजूद, नई दिल्ली में होने वाली एशियाई राइफल और पिस्टल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए निशानेबाजी टीम के दौरे को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय बांग्लादेश की विरोधाभासी सुरक्षा नीति पर सवाल उठाता है। बांग्लादेश के खेल मंत्रालय ने बुधवार को आधिकारिक आदेश जारी करते हुए टीम को 2 से 14 फरवरी तक आयोजित होने वाली चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी। सरकार का मानना है कि निशानेबाजी प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिम नहीं होंगे, क्योंकि यह एक सुरक्षित स्थान के भीतर आयोजित की जाएगी। युवा और खेल सचिव मोहम्मद महबूब उल आलम ने स्पष्ट किया कि दौरे को मंजूरी देने से पहले सभी पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार किया गया। उन्होंने कहा, "बांग्लादेश टीम में केवल एक एथलीट और एक कोच शामिल हैं, जिससे यह बहुत छोटा समूह है। आयोजकों ने हमें आश्वस्त किया है कि सुरक्षा संबंधी कोई समस्या नहीं होगी।" निशानेबाज रबियुल इस्लाम के साथ कोच शार्मिन अख्तर जाएंगी। बांग्लादेश नौसेना के एथलीट रबियुल के पास विशेष पासपोर्ट है, जो उन्हें बिना वीजा के भारत में सात दिनों तक रहने की अनुमति देता है। हालांकि, कोच शार्मिन को भारतीय वीजा प्राप्त करना होगा। टीम का नई दिल्ली के लिए प्रस्थान 31 जनवरी को निर्धारित है। यह फैसला तब आया है जब बांग्लादेश ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी क्रिकेट टीम को सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत भेजने से इनकार कर दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच खेल संबंधों में तनाव पैदा हो गया था।

भारत में एआई ऐप का इस्तेमाल 669% बढ़ा

फ़ाइडे संवाद » भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते मोबाइल ऐप बाजारों में शामिल हो गया है। एआई परफॉर्मेंस विज्ञापन कंपनी मोलोको द्वारा सेंसर टावर और सिंगुलर के सहयोग से जारी नई रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत में जनरेटिव एआई ऐप्स का उपयोग पिछले वर्ष की तुलना में 669% तक बढ़ गया। यह वृद्धि न सिर्फ भारत की डिजिटल प्रगति को दर्शाती है, बल्कि उपभोक्ताओं के मोबाइल उपयोग के बदलते पैटर्न को भी उजागर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपयोगकर्ताओं ने 2024 में मनोरंजन ऐप्स पर 68 अरब घंटे और सोशल मीडिया ऐप्स पर 50 अरब घंटे अतिरिक्त समय बिताया। गेमिंग सेक्टर ने कुल ऐप उपयोग में 34% हिस्सेदारी के साथ बाजी मारी और इसमें 11% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। ये आंकड़े साबित करते हैं कि मोबाइल ऐप्स भारत में मनोरंजन का प्रमुख साधन बन चुके हैं।

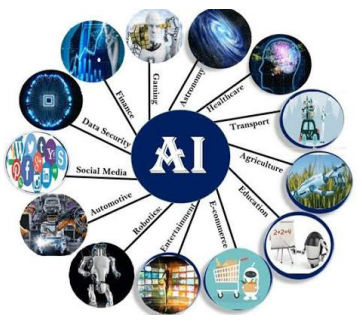

दो अरब से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता

मोलोको के वरिष्ठ विश्लेषक टॉम शैडबोल्ट ने कहा, "अभी भी कई विज्ञापनदाता गूगल और मेटा पर अत्यधिक निर्भर हैं, जबकि सबसे बेहतर रिटर्न इन बड़ी कंपनियों के बाहर मिल रहे हैं।" आज स्वतंत्र ऐप इकोसिस्टम प्रतिदिन दो अरब से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं तक पहुंचता है—जो इंस्टाग्राम और टिकटॉक को मिलाकर बराबर है। वैश्विक स्तर पर 88% मोबाइल विज्ञापन खर्च गूगल और मेटा के पास जाता है। हालांकि जिन कंपनियों ने अपनी विज्ञापन रणनीतियों में विविधता लाकर स्वतंत्र ऐप्स को शामिल किया, उन्हें 30 दिनों में 214% बेहतर रिटर्न मिला।

वैश्विक मोबाइल ऐप बाजार में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश

मोलोको इंडिया के देश प्रबंधक सिद्धार्थ झावर ने कहा, "भारत वैश्विक मोबाइल ऐप बाजार में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश है। हमारा डेटा दर्शाता है कि एआई और गेमिंग की मांग में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है।" वैश्विक स्तर पर इन-ऐप खरीद और सब्सक्रिप्शन से होने वाली आय 2024 में 25% बढ़कर 70.5 अरब डॉलर हो गई। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले दो वर्षों में उपभोक्ता ऐप से होने वाली कमाई गेमिंग क्षेत्र को भी पीछे छोड़ देगी। स्पष्ट है कि भारत अब वैश्विक मोबाइल विज्ञापन उद्योग का अगला विकास केंद्र बन चुका है।

व्हाट्सऐप की सुरक्षा पर फिर सवाल, टेलीग्राम सीईओ पावेल ड्यूरोव का तीखा हमला

मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप की प्राइवेसी और सुरक्षा को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इस बार विवाद की वजह बने हैं टेलीग्राम के संस्थापक और सीईओ पावेल ड्यूरोव, जिन्होंने 2026 में भी व्हाट्सऐप को सुरक्षित मानने वाले लोगों को "ब्रेनडेड" तक कह दिया। ड्यूरोव का यह बयान मेटा प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ अमेरिका में दायर एक नए मुकदमे के बाद सामने आया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को की एक यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने व्हाट्सऐप की प्राइवेसी और एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन को लेकर यूजर्स को गुमराह किया। याचिका में दावा है कि व्हाट्सऐप भले ही यह कहता हो कि मैसेज सिर्फ भेजने वाले और पाने वाले ही पढ़ सकते हैं, लेकिन असल में मेटा यूजर्स की बातचीत को स्टोर करता है, उसका विश्लेषण करता है और उस तक पहुंच भी रख सकता है। यह केस भारत, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, मैक्सिको और साउथ अफ्रीका समेत कई देशों के वादियों द्वारा दायर किया गया है।

व्हाट्सऐप की सुरक्षा उतनी मजबूत कभी नहीं रही, जितना दावा : इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ड्यूरोव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि टेलीग्राम ने पहले ही व्हाट्सऐप के एन्क्रिप्शन सिस्टम का विश्लेषण किया था और उसमें "कई अटैक वेक्टर" पाए गए थे। उनके मुताबिक, व्हाट्सऐप की सुरक्षा उतनी मजबूत कभी नहीं रही, जितना दावा किया जाता रहा है। हालांकि, मेटा ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। कंपनी के प्रवक्ता ने मुकदमे को "बेबुनियाद" बताया और कहा कि व्हाट्सऐप लगभग एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल पर आधारित एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का इस्तेमाल कर रहा है और कंपनी यूजर्स के निजी मैसेज नहीं पढ़ सकती।

एलन मस्क ने भी व्हाट्सऐप को "असुरक्षित" बताया : यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब पहले ही बिग टेक कंपनियों की प्राइवेसी दावों पर सवाल उठते रहे हैं। ड्यूरोव लगातार टेलीग्राम को एक अधिक पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से जांचे जा सकने वाले विकल्प के रूप में पेश करते रहे हैं। हाल ही में एलन मस्क ने भी व्हाट्सऐप को "सुरक्षित नहीं" बताते हुए यूजर्स से दूसरे प्लेटफॉर्म अपनाने की अपील की थी। कुल मिलाकर, यह बहस आम यूजर्स के लिए एक बड़ा सवाल खड़ा करती है—क्या वाकई हमारे मैसेज सुरक्षित हैं, या फिर प्राइवेसी सिर्फ एक दावा भर बनकर रह गई है?

सोशल मीडिया

दो टूक

(साप्ताहिक)

आज नई दिल्ली प्रवास के दौरान माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण एवं रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा जी से शिष्टाचार भेंट हुई। इस अवसर पर राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन' (NHM) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेशवासियों को सुलभ और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के संकल्प पर सार्थक संवाद हुआ।

- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

जमीयत उलमा-ए-हिंद को एक और बड़ी कानूनी सफलता, अक्षरधाम मंदिर हमला मामले मे गिरफ्तार तीन अन्य लोग भी बाइज़्ज़त बरी।बेक़सूरों को इंसाफ़ तो मिल गया, मगर जिन लोगों ने पीड़ितों की जिंदगियां बर्बाद कीं, उन्हें सज़ा दिलाए बिना इंसाफ़ अधूरा है। दोषी अधिकारियों के ख़िलाफ़ जमीयत उलमा-ए-हिंद अदालत में मुक़दमा लड़ रही है।

- मौलाना अरशद मदनी (जमीयत उलेमा ए हिन्द)

---

2 साल पहले जब अयोध्या में सपा नेता मोईद खान पर रेप के आरोप लगे, तब बहुत हंगामा हुआ.

- विधानसभा में CM योगी ने मुद्दा उठाया
- बुलडोजर चला
- एंकर चिल्लाए
- मोइद को जल्लाद बताया गया। अब मोईद खान को कोर्ट ने बाइज्जत बरी कर दिया गया।

- रणविजय सिंह

मैं चुनौती देता हूं.. अगर भाजपा सरकार में हिम्मत है तो पिछले 10 साल की भर्ती परीक्षाओं की जांच सीबीआई से करवाए। इन्होंने कितना दुष्प्रचार किया, लेकिन 2 साल निकल गए.. किसको जेल में डाला, आखिर कब पकड़ोगे?

- गोविन्द सिंह डोटासरा

शेखावाटी के पाठक सामाजिक व अन्य खबरें यहा भेजें-

मो. फारुख पहाड़ियान
सीईओ, एफआर न्यूज, जयपुर
मो. 9828881144

अकिल अहमद
मीडिया प्रभारी, फ्राइडे संवाद, फतेहपुर-लक्ष्मणगढ़
मो. 8287528180

कैफ राठौड़
मीडिया प्रभारी, फ्राइडे संवाद, झुंझुनूं
मो. 70232 10769

मुहम्मद काशिफ
मीडिया प्रभारी, फ्राइडे संवाद, सवाईमाधोपुर
मो. 6350669863

स्वर्ण मंदिर में वजू करने का मामला: भूल मानते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील

फ्राइडे संवाद | अमृतसर » अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर के पवित्र सरोवर में एक मुस्लिम युवक द्वारा कुल्ला (वजू) करने के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। इस प्रकरण में अब मुस्लिम समाज की ओर से आवाज़ बुलंद हो रही है, जिसमें घटना को धार्मिक नफरत की बजाय अज्ञानवश हुई भूल मानते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की जा रही है। एक मुस्लिम व्यक्ति ने सामने आकर युवक का समर्थन करते हुए कहा कि इस्लाम में जिस पानी को पवित्र माना जाता है, उसी से वजू किया जाता है। उन्होंने कहा "जो पानी नापाक हो, उसे हाथ तक नहीं लगाया जाता। युवक ने किसी अपवित्र भावना से नहीं, बल्कि पवित्र समझकर कुल्ला किया।" मुस्लिम व्यक्ति ने युवक सुब्हान रंगरेज की माफी को दिल से स्वीकार करने की बात कही और साथ ही घटना के बाद उसके साथ हुई बदसलूकी पर भी सवाल उठाए।

थप्पड़ मारने और जबरन माफी मंगवाने की कड़ी निंदा

उन्होंने गालियां देने, थप्पड़ मारने और जबरन माफी मंगवाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि किसी भी इंसान के साथ इस तरह का व्यवहार न तो इंसानियत के खिलाफ है और न ही किसी धर्म की शिक्षा में शामिल है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दिया गया, तो इसके बदले नफरत ही पैदा होगी। इस बयान के बाद युवक से माफी मंगवाने वाले निहंग विक्की थॉमस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि हर धर्म की अपनी मर्यादाएं होती हैं और उनका उल्लंघन गलत है, हालांकि इस पर बहस जारी है कि गलती जानबूझकर की गई थी या अनजाने में।

तीन दिन के पुलिस रिमांड पर कुल्ला करने वाले युवक

इधर, अमृतसर पुलिस कुल्ला करने वाले युवक को गाजियाबाद से हिरासत में लेकर आई है। उसे बुधवार को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में यह जानने की कोशिश की जाएगी कि युवक ने पवित्र सरोवर में ऐसा क्यों किया। मुस्लिम समाज का कहना है कि यदि कोई बच्चा या युवक किसी स्थान को पवित्र मानकर वहां धार्मिक क्रिया करता है और बाद में माफी मांगता है, तो उसे अपमानित करना नहीं, बल्कि समझाना चाहिए। यह मामला अब धार्मिक सहिष्णुता और आपसी सम्मान की कसौटी बनता जा रहा है।

झुंझुनूं: बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या का 24 घंटे में खुलासा, लूट के लालच में पड़ोसी युवक ने की थी हत्या

फ्राइडे संवाद | झुंझुनूं » जिले के गुढ़ागौड़जी थाना क्षेत्र के गुड़ा (पोंख) गांव में हुई बुजुर्ग महिला की निर्मम हत्या की गुत्थी को पुलिस ने महज 24 घंटे में सुलझा लिया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज 'ब्लाइंड मर्डर' मामले में पड़ोस में रहने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने रुपयों और जेवरात के लालच में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया था।

सूनी हवेली में अकेली रहती थी सीता देवी : मृतका की पहचान सीता देवी महाजन के रूप में हुई है, जो गांव के बाजार क्षेत्र में स्थित अपनी पुश्तैनी हवेली में अकेली रहती थीं। उनके परिजन लंबे समय से व्यापार के सिलसिले में कोलकाता में रह रहे थे। इसी अकेलेपन का फायदा उठाकर आरोपी ने वारदात की योजना बनाई।

खून से सनी मिली लाश, संघर्ष के मिले थे निशान : घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह घर में कोई हलचल नहीं हुई। पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा तो कमरे में सीता देवी का शव खून से लथपथ पड़ा था। धारदार हथियार से गला रेता गया था। फर्श और दीवारों पर खून के छींटे थे, वहीं घर का सामान अस्त-व्यस्त मिला, जिससे महिला द्वारा किए गए संघर्ष के स्पष्ट संकेत मिले।

पड़ोसी युवक 'लालू' ने ही रची थी खौफनाक साजिश : पुलिस अधीक्षक

बृजेश उपाध्याय ने बताया कि हत्या का आरोपी पड़ोसी युवक प्रीतम कुमार उर्फ लालू (26) है। आरोपी को जानकारी थी कि वृद्धा लोगों को पैसे उधार देती है और उसके पास नकदी व जेवरात हो सकते हैं। वह बड़ी रकम लेकर विदेश भागने की फिराक में था। 25 जनवरी की रात करीब साढ़े आठ बजे आरोपी दीवार फांदकर हवेली में घुसा। उस समय बिजली नहीं थी और सीता देवी अंधेरे में सब्जी काट रही थीं। आरोपी ने आवाज दी, पहचान उजागर होने और विरोध करने पर पहले उनका गला दबाया और फिर उसी चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद संदूक से नकदी चोरी कर फरार हो गया।

संघर्ष के घाव बने हत्यारे की पहचान : घटना के दौरान महिला ने बहादुरी से संघर्ष किया, जिसमें आरोपी के हाथ और नाक पर चोटें आईं। जब पुलिस ने संदिग्धों की जांच की तो प्रीतम के शरीर पर ताजे घाव देखकर शक गहराया।

अफगानिस्तान में नए आपराधिक कानून लागू, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना- तालिबान सरकार ने किया बचाव

काबुल | एजेंसियां » तालिबान शासित अफगानिस्तान में लागू किए गए नए आपराधिक कानून को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठ रही आलोचनाओं के बीच अफगान सरकार ने इसे देश की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संरचना के अनुरूप आवश्यक सुधार बताया है। तालिबान प्रशासन का कहना है कि यह कानून अफगान समाज में अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, इस्लामी शरीयत पर आधारित यह कानून पश्चिमी मूल्यों की नकल नहीं करता, बल्कि अफगानिस्तान की परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं, बच्चों और परिवार से जुड़े प्रावधानों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, जबकि इनका उद्देश्य पारिवारिक व्यवस्था को मजबूत करना और सामाजिक बुराइयों को रोकना है।

तालिबान सरकार ने वर्ग-आधारित सज़ा व्यवस्था के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि धार्मिक विद्वानों को विशेष सम्मान देना अफगान परंपरा का हिस्सा है, न कि कानून से ऊपर रखना। अल्पसंख्यकों को लेकर उठे सवालों पर सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में धार्मिक स्थिरता बनाए रखना प्राथमिकता है और किसी भी समुदाय के खिलाफ मनमाना अत्याचार नहीं किया जाएगा। सरकार का दावा है कि यह कानून दशकों की अशांति के बाद शांति, सुरक्षा और व्यवस्था कायम करने की दिशा में एक अहम कदम है और समय के साथ इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

गजा: रफा क्रॉसिंग बंद रहने से मानवीय संकट गहराया, इजरायली बस्ती हिंसा में तेजी

गजा/रामल्लाह » संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि फिलीस्तीनी लोग रफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के लिए "हताश" हैं क्योंकि इजरायल द्वारा लंबे समय तक बंद रखने से व्यापक पीड़ा बढ़ रही है। इस बीच, इजरायली सेना अक्टूबर युद्धविराम के उल्लंघन में हमास के साथ घातक हमले जारी रखे हुए है। गजा शहर के अल-सनाफौर इलाके में कम से कम चार फिलीस्तीनी मारे गए। अक्टूबर 2023 से इजरायल के नरसंहार युद्ध में अब तक कम से कम 71,660 लोग मारे गए हैं और 1,71,419 घायल हुए हैं। हमास के नेतृत्व वाले 7 अक्टूबर 2023 के हमलों में इजरायल में अनुमानित 1,139 लोग मारे गए थे, जिसमें से लगभग 250 को बंधक बनाया गया था।

रफा क्रॉसिंग खोलने की मांग

इजरायल ने संकेत दिया है कि सीमित संख्या में लोगों को रफा से मिस्र जाने की अनुमति

दी जाएगी - इजरायली निरीक्षणों के अधीन - लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मांगे गए पैमाने पर सहायता की अनुमति देने का कोई उल्लेख नहीं किया। दक्षिणी खान यूनिस शहर के फिलीस्तीनी सवाल कर रहे हैं कि क्या हमास-इजरायल युद्धविराम के दूसरे चरण की ओर बढ़ने से उनके जीवन में सुधार होगा। कई लोग इजरायल से प्रमुख रफा क्रॉसिंग खोलने के लिए उत्सुक हैं, जो गजा की बाहरी दुनिया से जीवन रेखा है। रफा के पूर्व निवासी अली अबू अल-ईश ने कहा, "अंतिम सैनिक का शव मिलने के बाद अब क्रॉसिंग खोलनी चाहिए। यह अभी भी क्यों बंद है? यहां हमारे पास कई बीमार लोग हैं।"

20,000 बीमार और घायल फिलीस्तीनियों को विदेश में तत्काल चिकित्सा निकासी की आवश्यकता

गजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि लगभग 20,000 बीमार और घायल फिलीस्तीनियों को जीवन रक्षक उपचार के लिए विदेश में तत्काल चिकित्सा निकासी की आवश्यकता है। अयदा अबू धीशा ने भी सवाल किया कि रफा को फिर से खोलने में देरी क्यों हो रही है। उन्होंने कहा, "हम अपनी जमीन और अपने घरों में वापस जाना चाहते हैं।" अबू अल-ईश और अबू धीशा रफा से विस्थापित अनुमानित 10 लाख गजा निवासियों में से हैं, जो अक्टूबर में हस्ताक्षरित युद्धविराम समझौते के बावजूद इजरायली सैन्य क्षेत्र बना हुआ है।

वेस्ट बैंक में बस्ती हिंसा

इस बीच, सशस्त्र इजरायली बस्ती वासियों ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में मसाफर यत्ता में तीन फिलीस्तीनी गांवों में आग लगा दी। बस्ती वासियों ने एम्बुलेंस और चिकित्सा कर्मियों को घायलों की मदद से रोक दिया, जबकि फिलीस्तीनी परिवार अपने घरों को जलते हुए देखते रहे।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2025 में 1,800 से अधिक बस्ती हमले - प्रतिदिन लगभग पांच - दर्ज किए गए, जिसके परिणामस्वरूप वेस्ट बैंक में लगभग 280 समुदायों में हताहत या संपत्ति क्षति हुई। यह पिछले वर्ष के रिकॉर्ड से 350 से अधिक की वृद्धि है। इस बीच गजा पट्टी से बरामद अंतिम इजरायली बंदी के अवशेषों का बुधवार (28 जनवरी 2026) को अंतिम संस्कार किया गया।

साप्ताहिक घटनाचक्र

जब भारत सफल होता है तो दुनिया सबसे ज्यादा स्थिर और सुरक्षित महसूस करती है: ईयू चीफ उर्सुला

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में डिजिटल लत को स्वास्थ्य चिंता के रूप में किया गया चिह्नित

सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स के विज्ञापनों पर रोक लगाएं: इकोनॉमिक सर्वे

चंडीगढ़ में फिर खिला कमल, बीजेपी के सौरभ जोशी चुने गए मेयर

चांदी वायदा बाज़ार में 4 लाख के पार

OpenAI में $30 बिलियन तक का अतिरिक्त निवेश करेगी सॉफ्टबैंक: रिपोर्ट्स

चीन ने बांग्लादेश से किया रक्षा समझौता, भारत के पड़ोस में बनाएगा ड्रोन

राजस्थानः राज्यपाल ने कांग्रेस सरकार के 9 विधेयक लौटाए

भाजपा सरकार ने मॉब लिंचिंग विरोधी विधेयक को वापस लेने का लिया फैसला

जयपुर » राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान पारित हुए 9 विधेयकों को विभिन्न कानूनी आधारों पर विधानसभा को लौटा दिया है। ये विधेयक वर्ष 2019 से लेकर 2023 के बीच पारित किए गए थे। राज्यपाल ने इन विधेयकों के प्रावधानों पर संवैधानिक सवाल उठाते हुए इन्हें केंद्रीय कानूनों से टकराव का कारण बताया है। उन्होंने विशेष रूप से गहलोत राज में पारित दो निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित विधेयकों के प्रावधानों पर आपत्ति जताई है। वसुंधरा राजे सरकार के समय 2008 में पारित राजस्थान धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2008 को भी सरकार पहले ही वापस लेने

का निर्णय कर चुकी है। इस विधेयक की जगह धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जाएगा। पिछली गहलोत सरकार के दौरान 2019 में ऑनर किलिंग और मॉब लिंचिंग के खिलाफ पारित दोनों विधेयकों को भी राज्यपाल ने पुनर्विचार के लिए लौटा दिया है। इन विधेयकों में ऑनर किलिंग पर उम्रकैद और पांच लाख रुपये जुर्माने तथा मॉब लिंचिंग पर कड़ी सजा का प्रावधान था।

केंद्रीय कृषि कानूनों पर भी विवाद

केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध कांग्रेस ने देशभर में अभियान चलाया था। उस दौरान गहलोत सरकार ने केंद्रीय कृषि कानूनों को निष्प्रभावी बनाने के लिए 2 नवंबर 2020 को कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य विधेयक-2020 तथा कृषक सशक्तीकरण और कृषि सेवा पर करार विधेयक पारित किए थे। हालांकि बाद में केंद्र सरकार ने कृषि कानून वापस ले लिए थे।

मॉब लिंचिंग विरोधी बिल का मुद्दा

भाजपा सरकार ने मॉब लिंचिंग विरोधी विधेयक को वापस लेने का फैसला किया है। सरकार का तर्क है कि यह विधेयक भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) 1973 को संदर्भित करता है, जबकि दोनों ही कानून अब समाप्त हो चुके हैं। भारतीय न्याय संहिता 2003 की धारा 103 में ऑनर किलिंग से संबंधित अपराधों से निपटने के पर्याप्त प्रावधान हैं।

राज्यपाल की शक्तियां और संवैधानिक प्रावधान

विशेषज्ञों के अनुसार, राज्यपाल की मंजूरी के बाद ही कोई विधेयक कानून बनता है। यदि राज्य के किसी विधेयक के प्रावधान केंद्रीय कानूनों से टकराते हैं तो राज्यपाल उन्हें वापस भेज सकते हैं। केंद्र और राज्य के बीच कानून बनाने को लेकर स्पष्ट प्रावधान हैं। समवर्ती सूची में केंद्र और राज्य दोनों कानून बना सकते हैं, लेकिन टकराव की स्थिति में केंद्रीय कानून ही मान्य होगा। यह विवाद राजस्थान में राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच संवैधानिक शक्तियों के संतुलन को लेकर नई बहस को जन्म दे सकता है।

राजस्थान में एसआईआरः मतदाता अधिकारों पर गंभीर संकट

फ्राइडे संवाद | जयपुर » राजस्थान में चल रही Special Intensive Revision (SIR) प्रक्रिया ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएँ खड़ी कर दी हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची में सामने आए आँकड़े बताते हैं कि राज्य के कई जिलों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम "अनुपस्थित", "स्थानांतरित" या "मृत" श्रेणी में दर्ज कर दिए गए हैं, जबकि ज़मीनी हकीकत इससे मेल नहीं खाती। कांग्रेस द्वारा संकलित प्रारंभिक जानकारियों और स्थानीय स्तर की रिपोर्टों के अनुसार, ड्राफ्ट सूची में लाखों मतदाता नामों की स्थिति संदिग्ध रूप से बदली गई है। जयपुर, अलवर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और सीकर जैसे जिलों से यह शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं कि बिना पर्याप्त भौतिक सत्यापन के नाम हटाने की प्रक्रिया अपनाई गई। कई स्थानों पर एक ही परिवार के एक सदस्य का नाम सूची में है, जबकि अन्य सदस्यों को "अनुपस्थित" दर्शा दिया गया। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि आपत्ति दर्ज कराने की समय-सीमा और सूचना प्रणाली आम मतदाता तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँच पाई। ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी झुग्गियों, प्रवासी मजदूरों और अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में रहने वाले मतदाता सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। कई मामलों में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर सत्यापन न होने की शिकायतें दर्ज हुई हैं। लोकतंत्र में मताधिकार नागरिक का मूल अधिकार है। यदि राजस्थान जैसे बड़े राज्य में लाखों मतदाताओं के अधिकार संदेह के घेरे में आ जाएँ, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों पर सीधा आघात है। कांग्रेस की स्पष्ट मांग है कि राजस्थान में SIR प्रक्रिया की निष्पक्ष पुनर्समीक्षा हो, आपत्तियों के लिए पर्याप्त समय दिया जाए और किसी भी मतदाता का नाम हटाने से पहले लिखित सूचना व सुनवाई सुनिश्चित की जाए।

अजित पवार का प्लेन क्रैशः भतीजे के निधन पर शरद पवार की पहली प्रतिक्रिया

मुंबई | महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन से पूरे राज्य में

शोक की लहर है। मुंबई से बारामती जाते समय उनका चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद तरह-तरह की अटकलें और साजिश की आशंकाएं सामने आने लगीं, लेकिन अब इस पर एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की पहली और स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने आई है। शरद पवार ने दो टूक कहा कि यह घटना पूरी तरह से एक हादसा है, इसमें किसी भी तरह की साजिश नहीं है। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि इस दुखद घटना को राजनीति से जोड़ना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। शरद पवार ने कहा, "जो दुर्घटना हुई है वह बेहद पीड़ादायक है। अजित पवार जैसे मेहनती और जुझारू नेता के जाने से महाराष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुई है। कुछ दुष्ट शक्तियां जानबूझकर समाज में यह भ्रम फैला रही हैं कि इसके पीछे राजनीति

हो सकती है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कृपया इसमें राजनीति न लाएं, यही मेरी विनती है।"

ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई संभव नहीं: शरद

उन्होंने आगे कहा कि आज की परिस्थितियों में हर चीज इंसान के नियंत्रण में नहीं होती। यह एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई संभव नहीं है और पूरा महाराष्ट्र इस दुख को महसूस कर रहा है। गौरतलब है कि विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस हादसे की गहन जांच की मांग की है, जिससे साजिश की चर्चाएं और तेज हो गई थीं। उनका अंतिम संस्कार 29 जनवरी को पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो गया था। डिप्टी सीएम अजित पवार की पहचान उनकी घड़ी से की गई। यह हादसा न सिर्फ एक परिवार, बल्कि पूरे महाराष्ट्र के लिए गहरा आघात बनकर सामने आया है।

मुंबई में इमरान प्रतापगढ़ी का भव्य स्वागत, सामयिक मुद्दों पर हुई चर्चा

फ्राइडे संवाद | मुंबई » अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के चेयरमैन एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी मुंबई

में राजस्थान कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एमडी चोपदार के निवास पर पधारे। डॉ. सत्तार दीवान के नेतृत्व में इमरान प्रतापगढ़ी का शॉल, माला एवं गुलदस्ता भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामयिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में माइनॉरिटी डिपार्टमेंट मुंबई के प्रभारी अहमद, शमीम, मुंबई कांग्रेस माइनॉरिटी चेयरमैन फरहान आज़मी, प्रसिद्ध अभिनेता शहज़ाद खान, समाजसेवी सलीम खान, फिल्म निर्देशक जोनू राणा, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तारीक फारुखी, वरिष्ठ नेता रईस लशकरियां, राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग से मुस्तफा (बड़ी सादड़ी) सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसी नेतागण एवं उत्तर प्रदेश से पधारी इमरान प्रतापगढ़ी की पूरी टीम उपस्थित रही। एमडी चोपदार ने इमरान प्रतापगढ़ी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनका समय देना सौभाग्य की बात है। उन्होंने उनके निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन की कामना की। यह बैठक पार्टी संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है।

जयपुर

शिक्षा के लिए एकजुट हुआ बंदूकिया लुहार समाज, आबिद अली की अगुवाई में स्कूल निर्माण का संकल्प

फ्राइडे संवाद | जयपुर » राजस्थान के बंदूकिया लुहार समाज में

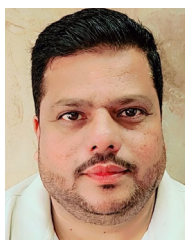

शिक्षा को लेकर नई उम्मीद जगी है। युवा समाज सेवी आबिद अली, जो युवा बंदूकिया कारीगर समाज समिति के अध्यक्ष हैं, लंबे समय से समाज के शैक्षणिक स्तर को ऊपर उठाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। फ्राइडे संवाद में उन्होंने समाज की स्थिति, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की। आबिद अली ने बताया कि बंदूकिया लुहार समाज ऐतिहासिक रूप से मेहनती और हुनरमंद रहा है। पहले यह समाज राजा-महाराजाओं के लिए बंदूकें बनाता था, जबकि आज अधिकतर लोग चांदी के

फैंसी आइटम, कड़े, पायल और अन्य आभूषणों के काम से जुड़े हैं। हालांकि, हुनर के बावजूद समाज शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है, जिसे लेकर वे बेहद चिंतित हैं।

एक स्कूल की स्थापना

इसी चिंता से प्रेरित होकर आबिद अली ने समाज के सहयोग से फंड इकट्ठा करने की मुहिम शुरू की। उन्होंने बताया कि समाज में आपसी सहयोग के जरिए अब तक करीब 21 लाख रुपये का फंड जमा किया जा चुका है। यह राशि जयपुर, सीकर, अजमेर, कुचामन, किशनगढ़ और मध्य प्रदेश सहित कई इलाकों से आई है। इस फंड का मुख्य उद्देश्य समाज के बच्चों, खासकर जरूरत बच्चों और बच्चियों के लिए 'एक स्कूल की स्थापना' करना है। इसके लिए उद्योग नगर, जयपुर में एक प्लॉट भी चिन्हित किया गया है, जिसकी कुल कीमत करीब 1 करोड़ रुपये है। इस पर 21 लाख रुपये की टोकन मनी दी जा चुकी है। आबिद अली ने साफ कहा कि अगर कोई और व्यक्ति इस जिम्मेदारी को संभालना चाहता है, तो वे उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने समाज के सभी युवाओं और बुजुर्गों से अपील की कि वे शिक्षा के इस मिशन में आगे आएं, ताकि बंदूकिया लुहार समाज भी देश की तरक्की में बराबरी से योगदान दे सके।

गलत आदतें दांतों की चमक और सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है: डॉ. मोहम्मद मोहसिन

फ्राइडे संवाद | हेल्थ » सर्दियों का मौसम अपने साथ गर्म चाय, कॉफी, काढ़े और मीठे व्यंजनों

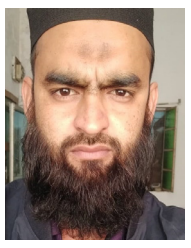

का आनंद लेकर आता है, लेकिन यही आदतें दांतों की चमक और सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। एक उजली और स्वस्थ मुस्कान न केवल व्यक्तित्व को निखारती है, बल्कि यह अच्छे स्वास्थ्य का भी संकेत होती है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में दांतों की विशेष देखभाल बेहद जरूरी हो जाती है। राजधानी डेन्टल केयर डेंटिस्ट डॉ. मोहम्मद मोहसिन के अनुसार, सर्द मौसम में ब्लैक कॉफी, हॉट टी और अधिक शक्कर वाले खाद्य-पेय पदार्थ दांतों पर दाग छोड़ सकते हैं। इसके अलावा ठंडी हवा और अचानक तापमान में बदलाव से दांतों में सेंसिटिविटी बढ़ने के साथ-साथ एनामेल में दरार की समस्या भी हो सकती है। वे सलाह देते हैं कि बहुत अधिक ठंडा या बहुत गर्म खाने-पीने से बचें।

शकरकंद और दूध से बने उत्पाद दांतों के एनामेल को मजबूती देते है

डॉ. मोहम्मद मोहसिन बताते हैं कि संतुलित और पोषक आहार दांतों को मजबूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। केला, शकरकंद और दूध से बने उत्पाद दांतों के एनामेल को मजबूती देते हैं। वहीं सेब और सेलरी जैसे कुरकुरे फल और सब्जियां प्राकृतिक रूप से दांतों की सफाई में मदद करते हैं। स्ट्रॉबेरी में मौजूद मैलिक एसिड दांतों की प्राकृतिक सफेदी बढ़ाने में सहायक होता है, जबकि संतरे के छिलके का अंदरूनी हिस्सा हल्के दाग हटाने में उपयोगी हो सकता है। दांतों को स्वस्थ और सफेद बनाए रखने के लिए दिन में दो बार फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट से ब्रश करना, रोजाना फ्लॉस का इस्तेमाल करना और हर भोजन के बाद कुल्ला करना जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से मुंह में बैक्टीरिया कम होते हैं और दांतों की सुरक्षा बनी रहती है। अंत में, डॉ. मोहम्मद मोहसिन सलाह देते हैं कि समय-समय पर डेंटल चेक-अप जरूर कराएं, ताकि किसी भी दंत समस्या का समय रहते इलाज किया जा सके। सही आदतें अपनाकर सर्दियों में भी अपनी मुस्कान को चमकदार और स्वस्थ रखा जा सकता है। डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से है। किसी भी दंत समस्या में विशेषज्ञ दंत चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित करने की जरूरतः डॉ. आबिद कुरैशी

अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में नियमित रूप से चिकित्सा शिविर आयोजित करने की

जरूरत है। यह कहना है मेडिकल ऑफिसर डॉ आबिद कुरैशी का। उन्होंने बताया कि नाहरी का नाका क्षेत्र में हृदय रोग, अस्थमा और टीबी के काफी मरीज देखने को मिलते हैं। इसके पेट से संबंधित बीमारी भी काफी आम है क्योंकि लोगों की दिनचर्या ही इस तरह की है। इन इलाक़ों अधिकांश लोग मजदूर तबके के हैं जो होटल से ही खाना खाते हैं और होटल वाले साफ सफाई का ध्यान नहीं रखते हैं। डॉ आबिद ने कहा कि पुरानी जर्जर सीवरेज और पानी की लाइन होने के चलते दूषित पानी घरों में सप्लाई होना यहां आम बात है। यह भी पेट से संबंधित बीमारी जैसे टाइफाइड की बड़ी वजह है।

बचावः हृदय रोग, अस्थमा और टीबी तीनों ही बीमारी काफी घातक हैं। अगर इन बीमारियों से बचना हैं तो लाईफ स्टाईल को बदलना ही होगा। संतुलित आहार, साफ पानी का सेवन और नियमित व्यायाम से इन बीमारियों सहित अन्य बीमारियों से भी बचा जा सकता हैं। साफ- सफाई का ख्याल रखना सबसे ज्यादा जरूरी हैं। स्पाइसी फूड और अनहेल्दी खाने से बचें। और बिना डॉक्टर के परामर्श के कोई दवाईयां इस्तेमाल ना करें।

मेडिकल फिल्डः डॉ. आबिद ने कहा कि यूनानी पद्धति में सस्ती चिकित्सा प्रदान करती हैं। मेरी भी कोशिश रहती हैं कि मरीज को किफायती इलाज किया जायें क्योंकि मेरी नजर में मेडिकल फील्ड खिदमत-ए-खल्क का जरिया है।

हाइपरटेंशनः टेंशन नहीं, हाई ब्लड प्रेशर की 'साइलेंट किलर' बीमारी

फ्राइडे संवाद | जयपुर » हाइपरटेंशन का नाम सुनते ही अक्सर लोगों के मन में यह भ्रम

पैदा हो जाता है कि यह शायद ज्यादा टेंशन लेने से जुड़ी बीमारी होगी। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार हाइपरटेंशन का सीधा संबंध मानसिक तनाव से नहीं, बल्कि हाई ब्लड प्रेशर से होता है। सूरजपोल स्थित शिफा क्लिनिक के डॉ. मोईन अजमल ने बताया कि मेडिकल भाषा में हाई ब्लड प्रेशर को ही हाइपरटेंशन कहा जाता है, जिसे 'साइलेंट किलर' भी माना जाता है, क्योंकि शुरुआती दौर में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं दिखते।

रक्त वाहिकाओं में दबाव

डॉ. अजमल के अनुसार हाइपरटेंशन शब्द 'हाइपर' और 'टेंशन' से मिलकर बना है। ग्रीक मूल के इस शब्द में 'हाइपर' का अर्थ अत्यधिक और 'टेंशन' का मतलब रक्त वाहिकाओं में दबाव से है। यानी यह बीमारी धमनियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त रक्त दबाव को दर्शाती है। जब लंबे समय तक रक्तचाप अधिक रहता है तो हृदय को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है और धीरे-धीरे हृदय, मस्तिष्क, किडनी और नसों को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने समझाया कि सामान्य तौर पर स्वस्थ व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 120/80 mmHg माना जाता है, लेकिन यदि यह लगातार 140/90 mmHg या उससे अधिक बना रहे तो उसे हाइपरटेंशन की श्रेणी में रखा जाता है।

प्रमुख कारण और जोखिम कारक

डॉ. मोईन अजमल ने बताया कि ज्यादा नमक का सेवन, तला-भुना और प्रोसेस्ड भोजन, शारीरिक गतिविधियों की कमी, मोटापा, धूम्रपान और शराब की आदतें इसके प्रमुख कारण मानी जाती हैं। इसके अलावा मानसिक तनाव, नींद की कमी और अनियमित जीवनशैली भी ब्लड प्रेशर बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। कई मामलों में यह समस्या आनुवंशिक भी हो सकती है। शिफा क्लिनिक के चिकित्सक के मुताबिक हाइपरटेंशन के लक्षण शुरुआत में साफ नजर नहीं आते, लेकिन समय के साथ सिरदर्द, चक्कर, धुंधला दिखना, सीने में भारीपन, सांस फूलना और थकान जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।

हमारी लगातार कोशिश है कि आप तक अच्छी और बेहतर खबरें पहुंचाये जिससे हमारे समाज को नई ऊर्जा मिले। जल्द ही हम समाज से जुड़े लोकल मुद्दे उठाने जा रहे हैं जिन्हें बड़े मीडिया हाउस नजरअंदाज करते आ रहे हैं। लेकिन यह सब आपके सपोर्ट के बिना नहीं हो सकता है। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा सपोर्ट करे।

ACCEPTED HERE

Scan & Pay Using PhonePe App

MOHAMMAD FAROOQ

अगर आपके पास कोई सुझाव है, तो बराए मेहरबानी फ्राइडे रिपोर्टर के एफबी पेज @frnewsrajasthan पर या fridaysanwad@gmail.com या 9828881144 पर वाट्सएप करें।

-मो. फारुख पहाड़ियान, सीईओ

आरिफ अंसारी
मार्केटिंग हेड,
फ्राइडे संवाद, जयपुर
मो. 7891140380

ट्रंप ने ईरान को दी परमाणु समझौते की चेतावनी, सैन्य हमले की धमकी

तेहरान "पहले की तरह" जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार: ईरान

वाशिंगटन/तेहरान » अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी को फिर से दोहराया है और तेहरान से परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने की मांग की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले के लिए तैयार है। सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, "उम्मीद है कि ईरान जल्द ही बातचीत की मेज पर आएगा और एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते पर बातचीत करेगा - कोई परमाणु हथियार नहीं - जो सभी पक्षों के लिए अच्छा हो। समय समाप्त हो रहा है, यह वास्तव में सार की बात है! जैसा कि मैंने ईरान से पहले कहा था, एक समझौता करो।" जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने भी कहा है कि ईरानी सरकार के "दिन गिने-चुने हैं"। इस बीच, ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि देश किसी भी अमेरिकी हमले का अभूतपूर्व जवाब देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी

विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके सहायक युद्धपोत मध्य पूर्व में ईरानी जल क्षेत्र के करीब पहुंच गए हैं। यह कदम क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव का संकेत है।

ईरान की चुनौतीपूर्ण प्रतिक्रिया

ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने इसका जवाब देते हुए कहा कि तेहरान "पहले की तरह" जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है। मिशन ने कहा, "ईरान पारस्परिक सम्मान और हितों के आधार पर संवाद के लिए तैयार है," लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यदि दबाव डाला गया तो देश मजबूत प्रतिक्रिया देगा।

आर्थिक संकट गहराया

इस बीच, ईरान की मुद्रा लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। स्थानीय मुद्रा व्यापारियों के अनुसार, ईरानी रियाल डॉलर के मुकाबले 1.6 मिलियन रियाल प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा है। यह गिरावट देश के आर्थिक संकट को दर्शाती है, जो राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों और आर्थिक मुश्किलों के बीच आई है।

तनाव की पृष्ठभूमि

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कई वर्षों से जारी है, विशेष रूप से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर। ट्रंप प्रशासन ने पहले भी ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे और अब फिर से सैन्य दबाव की रणनीति अपना रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति क्षेत्रीय युद्ध की आशंका को बढ़ा सकती है।

राइटियस एकेडमी में आधुनिक तकनीक से शिक्षा का नया आयाम

फ्राइडे संवाद | जयपुर » जयपुर के उद्योग नगर, झोटवाड़ा स्थित राइटियस एकेडमी में आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को नया आयाम दिया जा रहा है। विद्यालय में प्ले ग्रुप से कक्षा दसवीं तक के विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास के जरिए प्रेरणादायक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री के माध्यम से अध्ययन कराया जा रहा है। संस्था के संचालक (डायरेक्टर) नियाज मोहम्मद खान एवं प्रधानाचार्या (प्रिंसिपल) यासमीन खान के मार्गदर्शन में विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। विद्यालय प्रबंधक इरफान खान ने बताया कि मोबाइल की लत आज बच्चों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा नियमित रूप से अभिभावक बैठकों का आयोजन किया जाता है, जिसमें माता-पिता को बच्चों को इस्लामिक एवं सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करने का मार्गदर्शन दिया जाता है। साथ ही अभिभावकों को यह भी समझाया जाता है कि वे बच्चों को पर्याप्त समय दें और उनकी गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखें।

खासतौर पर बालिकाओं के लिए दीनी माहौल में शिक्षा : विद्यालय संचालक नियाज मोहम्मद खान की यह पहल समाज में सकारात्मक

बदलाव लाने का सराहनीय प्रयास है। खासतौर पर बालिकाओं के लिए दीनी माहौल में शिक्षा प्राप्त करने का यह एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विद्यालय में 'करके सीखने' की पद्धति अपनाई जाती है, जिससे विद्यार्थी स्वयं क्रियाशील रहते हैं और भविष्य में अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकें। पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों के लिए अलग से कक्षा प्रबंध किया जाता है, ताकि उनके परीक्षा परिणाम बेहतर हो सकें। प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक स्थिति का नियमित आकलन कर विद्यालय प्रबंधन द्वारा आवश्यक प्रयास किए जाते हैं। बच्चों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री जैसे मासिक कक्षा-परीक्षा, प्रोजेक्ट कार्य, श्रव्य-दृश्य सामग्री एवं वर्कशीट का उपयोग किया जाता है।

पाठकों को परामर्श

पाठकों को परामर्श दिया जाता है कि विज्ञापनों के सम्बन्ध में कोई भी कार्रवाई करने से पहले तथ्यों की समुचित जांच स्वयं ही अवश्य कर लें क्योंकि 'फ्राइडे संवाद' विज्ञापन दाताओं द्वारा किए गए किसी भी दावे की सच्चाई का न तो कोई आश्वासन देता है और न ही समर्थन करता है। इसलिए पाठकों को स्वयं ही अपने आधार पर सभी तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के लेन - देन के लिए समाचारपत्र उत्तरदायी नहीं होगा।

दांतों की सेहत पर पड़ रहा है लाइफस्टाइल का असर: डॉ. मोहम्मद अजहर खान

फ्राइडे संवाद | जयपुर » आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और गलत आदतें दांतों की सेहत पर बुरा असर डाल रही हैं। अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि ज्यादा ज़ोर से या ज्यादा देर तक ब्रश करने से दांत ज्यादा साफ होंगे, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह सोच गलत है। डायमंड डेंटल केयर, ऑर्थोडॉन्टिस्ट और इम्प्लांट सेंटर के डॉ. मोहम्मद अजहर खान बताते हैं कि हार्ड ब्रिसल वाले ब्रश से तेज़ी से ब्रश करने पर दांतों का एनामेल धीरे-धीरे घिसने लगता है। शुरुआत में इसका असर नजर नहीं आता, लेकिन समय के साथ दांत कमजोर और सेंसिटिव हो जाते हैं। इसलिए हमेशा सॉफ्ट ब्रिसल ब्रश और हल्के हाथ से ब्रश करना चाहिए। डॉ. मोहम्मद अजहर के अनुसार आज की डाइट भी दांतों के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। कोल्ड ड्रिंक्स, एनर्जी ड्रिंक्स, खट्टे जूस, चाय, कॉफी और मीठी चीज़ों में मौजूद एसिड और शुगर दांतों के एनामेल को नुकसान पहुंचाते हैं।

शरीर में पानी की कमी से भी दांतों को नुकसान : ऐसी चीजें लेने के बाद पानी से कुल्ला करना या स्ट्रॉ का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी से सलाइवा कम हो जाती है, जबकि सलाइवा दांतों की प्राकृतिक सुरक्षा होती है। पर्याप्त पानी पीना दांतों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। सोशल मीडिया पर चल रहे DIY व्हाइटनिंग नुस्खों से दूर रहने की सलाह देते हुए डॉ. अजहर खान ने कहा कि नींबू, बेकिंग सोडा या चारकोल जैसे उपाय एनामेल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

आईसीसी ने बांग्लादेश के पत्रकारों के एक्रिडिटेशन किए रद्द, कहा- टीम सुरक्षित नहीं तो ये कैसे सेफ

'ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार, टी20 वर्ल्ड कप-2026 से बांग्लादेश के बाहर होने के बाद आईसीसी ने इस टूर्नामेंट के लिए करीब 150 बांग्लादेशी पत्रकारों का एक्रिडिटेशन रद्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार, यह फैसला बांग्लादेश द्वारा भारत को असुरक्षित बताए जाने के चलते लिया गया और कहा गया कि अगर टीम सुरक्षित नहीं तो पत्रकार कैसे सुरक्षित रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक आबिद अली, मुद्रक विजेन्द्र प्रकाश हलचल के लिए लखेरा शक्ति क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड, सी-1, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, 22 गोदाम, जयपुर-6 से मुद्रित करवाकर प्लॉट नंबर 136-ए, संजय नगर-सी, झोटवाड़ा, जयपुर से प्रकाशित। समाचार पत्र के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार संपादकः आबिद अली मो. 9166931931 ई-मेलः fridaysanwad@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायलय होगा)